Website: www.winews.in | Email: winews.in@gmail.com | दिल्ली, नोएडा, हापुड़, फरीदाबाद, मोदीनगर, मेरठ, सहारनपुर, मुजफ्फरनगर, रूड़की, हरिद्वार, देहरादून, मुरादाबाद, बुलंदशहर, अलीगढ़, मथुरा, आगरा,राजस्थान, पंजाब, बहराइच,रामपुर, लखनऊ, काशीपुर, देवबंद में प्रसारित

दैनिक
वेलकम इंडिया
गाजियाबाद से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

RNI NO. UPHIN/2018/76874

नये भारत की नई सोच

वर्ष: 07 अंक: 242 | शुक्रवार, 11 सितम्बर-2026 (गाजियाबाद) | पेज-8 | मूल्य-एक रुपया

चुनाव से पहले योगी का 'MY' दांव, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को बड़ा तोहफा

मानदेय बढ़ाकर 12 हजार और सहायिकाओं का 6 हजार रुपये किया, 5 लाख तक कैशलेस इलाज की सुविधा

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के मानदेय में बढ़ोतरी की है। चुनाव से पहले योगी सरकार का ये बड़ा कदम माना जा रहा है। राज्य सरकार ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। आदेश के अनुसार, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं के राज्य के हिस्से में 4,000 रुपये प्रति माह और सहायिकाओं के राज्य के हिस्से में 2,000 रुपये प्रति माह की अतिरिक्त बढ़ोतरी की गई है। इस बदलाव के बाद, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को कुल 12,000 रुपये प्रति माह का मानदेय मिलेगा, जबकि सहायिकाओं को 6,000 रुपये प्रति माह मिलेंगे। बढ़ा हुआ मानदेय सितंबर 2026 से लागू होगा और इसका भुगतान

अक्टूबर 2026 में किया जाएगा।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ज़िम्मेदारियाँ

उत्तर प्रदेश में, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और हेल्पर गाँव और मोहल्ले के स्तर पर सरकार के पोषण और बाल विकास कार्यक्रमों को लागू करने में अहम भूमिका निभाते हैं। वे बच्चों, गर्भवती महिलाओं और माताओं के साथ मिलकर काम करते हैं और उन्हें जरूरी पोषण, शुरूआती शिक्षा और स्वास्थ्य से जुड़ी मदद देते हैं। उनकी मुख्य ज़िम्मेदारियों में बच्चों को प्री-स्कूल शिक्षा और शुरूआती सीखने की गतिविधियाँ उपलब्ध कराना शामिल है। वे गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को पोषण, स्वास्थ्य देखभाल और माँ की सेहत के बारे में भी जानकारी देते हैं।

आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और हेल्पर सरकारी योजनाओं के तहत मिलने वाला अतिरिक्त पोषण योग्य बच्चों और महिलाओं में बाँटते हैं। वे टीकाकरण अभियान, स्वास्थ्य जाँच और स्वास्थ्य देखभाल से जुड़ी दूसरी सेवाओं के दौरान आशा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर काम करते हैं। एक और अहम ज़िम्मेदारी जन्म, बच्चों के पोषण और आंगनवाड़ी केंद्रों से जुड़े रिकॉर्ड रखना है, जिसमें रजिस्टर और डिजिटल डेटा शामिल हैं। वे गाँवों और मोहल्लों में पोषण, साफ-सफाई, स्वच्छता और स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाने का काम भी करते हैं।

कैशलेस हेल्थकेयर की भी सुविधा

यह निर्णय आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं की बढ़ती जिम्मेदारियों, शुरूआती बचपन की देखभाल और शिक्षा तथा पोषण सेवाओं में उनकी भूमिका, डिजिटल प्लेटफॉर्म के बढ़ते इस्तेमाल और विभिन्न विभागीय योजनाओं के साथ तालमेल को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। सरकार ने आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए 5 लाख रुपये तक की कैशलेस हेल्थकेयर सुविधा की भी घोषणा की है। इन उपायों को राज्य भर में बच्चों और माताओं के कल्याण की सेवाओं में लगे हजारों फ्रंटलाइन वर्कर्स के लिए एक बड़े फायदे के तौर पर देखा जा रहा है। मुख्यमंत्री ने स्मार्टफोन और रियल-टाइम डेटा के जरिए आंगनवाड़ी केंद्रों को स्मार्ट बनाने की योजना की भी घोषणा की।

महिलाओं के जमीनी नेटवर्क पर फोकस

राजनीतिक जानकारों का मानना है कि चुनाव से पहले सरकार उन महिला कार्यकर्ताओं पर ध्यान दे रही है जिनकी जमीनी स्तर पर मजबूत पकड़ है। सरकार ने पहले बेसिक शिक्षा परिषद के स्कूलों में काम करने वाले रसोइयों (जिनमें ज्यादातर महिलाएं हैं) का मानदेय और सुविधाएं बढ़ाई थीं। अब सरकार का ध्यान आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं पर है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं की ग्रामीण और शहरी दोनों इलाकों के घरों तक सीधी पहुँच होती है। जमीनी स्तर पर सरकारी योजनाओं को लागू करने और चुनाव प्रचार के दौरान समर्थन जुटाने के लिए उनके नेटवर्क को अहम माना जाता है।

सीएम ने क्या कहा

अयोध्या में एक सम्मान समारोह को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि जब 2017 में बीजेपी की सरकार बनी, तो आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को सिर्फ 3,000 रुपये का मानदेय मिलता था। उन्होंने कहा कि सरकार ने इसे परफॉर्मेंस-बेस्ड सिस्टम से जोड़ा और बढ़ाकर 8,000 रुपये कर दिया। अब इसे बढ़ाकर 12,000 रुपये किया जाएगा। हेल्पर्स का मानदेय भी पहले 1,500 रुपये से बढ़ाकर 4,000 रुपये किया गया था और अब इसे बढ़ाकर 6,000 रुपये किया जा रहा है। कोविड-19 के दौरान गांवों में लोगों की स्क्रीनिंग करने और संक्रमित लोगों की सेवा करने में आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और हेल्पर्स ने अठट और आशा कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर अहम भूमिका निभाई।

अतिरिक्त साड़ी के लिए 500 रुपए

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की 2.91 लाख आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के लिए साड़ियों के लिए फंड जारी कर दिया गया है; अब उन्हें दो के बजाय तीन साड़ियाँ मिलेंगी। अब एक अतिरिक्त साड़ी के लिए 500 रुपये और दिए जाएँगे। उन्होंने कहा कि इसके लिए राज्य सरकार पर लगभग 20 करोड़ रुपये का अतिरिक्त बोझ पड़ेगा।

बिहार का पानी 30 साल से चोरी! संजय झा ने बांग्लादेश संधि पर रोक की मांग की

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। जदयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा ने गुरुवार को केंद्र सरकार से अपील की कि वह दिसंबर में खत्म होने वाली बांग्लादेश के साथ गंगा जल-बंटवारे की संधि को रिन्यू न करे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले तीन दशकों से बिहार के हिस्से का पानी चुराया जा रहा है। 'नीतीश संवाद यात्रा' के पहले चरण के पूरा होने के बाद पार्टी मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए झा ने कहा कि यह मुद्दा बिहार के लिए अहम है और आरोप लगाया कि राज्य को उसके पानी का बड़ा हिस्सा नहीं दिया गया है। झा ने कहा कि यह मुद्दा राज्य के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। जहां भारत के राज्य पानी के बंटवारे के मुद्दों पर आपस में कड़ा संघर्ष करते हैं, वहीं बिहार का पानी 30 वर्षों से चुराकर बांग्लादेश भेजा जा रहा है। यात्रा के पहले चरण में बक्सर, भोजपुर, बेगूसराय और खगड़िया जिले शामिल थे। यह यात्रा कटिहार में खत्म होने से पहले गंगा के किनारे बसे 12 ज़िलों से होकर गुजरेगी। झा, JD(U) के प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा और पार्टी के दूसरे नेताओं के साथ, यात्रा के अगले चरण में सारण, पटना, वैशाली, समस्तीपुर, लखीसराय, मुंगेर, भागलपुर और कटिहार का दौरा करेंगे। राज्यसभा सांसद झा ने कहा कि यात्रा के पहले चरण में पार्टी को 'लोगों का जबरदस्त समर्थन और भागीदारी' मिली, जिससे पता चलता है कि यह मुद्दा लोगों के बीच जोर पकड़ रहा है। 12 दिसंबर, 1996 को भारत और बांग्लादेश के बीच हुई गंगा जल-बंटवारा संधि, 30 साल का एक समझौता है जो फरक्का बैराज पर सूखे के मौसम में पानी के बहाव के बंटवारे को तय करता है।

मणिपुर के संगीतकार चोंगथम विक्रम सिंह की दिल्ली में हुई निर्मम हत्या ने कई सवाल खड़े कर दिये

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। नई दिल्ली में मणिपुर के चर्चित गिटारवादक चोंगथाम विक्रम सिंह की कथित मॉब लिंचिंग ने सिर्फ एक परिवार को नहीं तोड़ा है, बल्कि राजधानी में पूर्वोत्तर के लोगों की सुरक्षा और उनके साथ होने वाले भेदभाव पर फिर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। हम आपको बता दें कि 55 वर्षीय चोंगथाम विक्रम सिंह की 6 सितंबर की देर रात अश्रम इलाके में कथित तौर पर आठ लोगों ने बेरहमी से पिटाई की। अगले दिन सुबह उन्होंने अस्पताल में दम तोड़ दिया। पुलिस ने सात लोगों और एक 15 वर्षीय किशोर को गिरफ्तार किया है और मामले की जांच मॉब लिंचिंग के तौर पर कर रही है।

चोंगथाम विक्रम सिंह की पत्नी जोशना चोंगथाम ने मंगलवार को चाणक्यपुरी में मीडिया के सामने जो घटनाक्रम बताया, वह रोंगटे खड़े कर देने वाला है। उनके मुताबिक, 6 सितंबर की रात करीब 11.30 बजे चोंगथाम विक्रम सिंह नीचे गए थे। कुछ देर बाद वह आठ लोगों से पीछा छुड़ाते हुए सीढ़ियां चढ़कर घर पहुंचे। हमलावरों ने उन्हें घर के दरवाजे तक पीटा। पत्नी और बेटे के सामने हुई इस हिंसा के बाद चोंगथाम विक्रम सिंह को सांस लेने में तकलीफ हुई और परिवार उन्हें होली फैमिली अस्पताल ले गया। उनका ब्लड प्रेशर बेहद कम था और करीब सुबह छह बजे उन्होंने दम तोड़ दिया। जोशना ने कहा कि उन्होंने अपना पति और उनके बेटे ने अपना पिता खो दिया। पुलिस के मुताबिक विवाद की शुरूआत घर के आसपास स्थित ढाबों से आने वाले तेज शोर को लेकर हुई थी। परिवार का कहना है कि चोंगथाम विक्रम सिंह ने पहले भी इस शोर और इलाके में होने वाली आवाजाही पर आपत्ति जताई थी और कुछ लोगों ने उन्हें धमकाया भी था। बेटे याइफाबा के पुलिस बयान के अनुसार, हमले के दौरान उसके पिता ने बताया था कि वह कुछ हमलावरों को पहचानते हैं और वे पहले भी उन्हें धमका चुके थे। याइफाबा ने पुलिस को यह भी बताया कि उसने दरवाजा खोलकर हमलावरों को अपने पिता को लात-घूंसों से पीटते देखा था और वह उनके चेहरों की पहचान कर सकता है। अस्पताल ले जाते समय सिंह ने कथित तौर पर बताया कि हमलावर सामने वाले ढाबे की तरफ से आए थे। बताया जा रहा है कि यह परिवार करीब नौ वर्षों से उसी मकान की तीसरी मंजिल पर रह रहा था। पड़ोसी के मुताबिक उस रात अचानक चीख-पुकार सुनाई दी। सामान्य तौर पर सिंह रात के खाने के बाद टहलने या कूड़ा बाहर डालने निकलते थे और माना जा रहा है कि उस रात भी वह इसी तरह नीचे गए थे। लेकिन वापस लौटते समय सीढ़ियां उनके लिए मौत का रास्ता बन गईं। घटना के बाद असली विवाद सिर्फ हत्या के आरोपियों तक सीमित नहीं रहा। पूर्वोत्तर के नागरिक संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने इसे व्यापक नस्ली भेदभाव के संदर्भ में देखने की मांग की है। मणिपुर वीमेन गन सर्वाइवर्स नेटवर्क की संस्थापक सदस्य बिनालक्ष्मी नेप्राम ने आरोप लगाया कि यह नस्ली हिंसा का मामला है और सवाल उठाया कि आखिर पूर्वोत्तर के लोगों को अपने ही देश की राजधानी में ऐसी हिंसा का सामना क्यों करना पड़ता है। वहीं दिल्ली बीजेपी अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा ने घटना को भयावह बताते हुए इसमें नस्ली कोण से इंकार किया और विपक्ष पर 'गंदी राजनीति' नहीं करने की अपील की। उधर, मणिपुर के मुख्यमंत्री वाई. खेमचंद सिंह ने इसे बेहद पीड़ादायक घटना बताते हुए दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को पत्र लिखा और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों की निगरानी में निष्पक्ष, समयबद्ध और उच्चस्तरीय जांच की मांग की। उन्होंने पूर्वोत्तर के छात्रों और कामकाजी लोगों की बड़ी आबादी वाले इलाकों में सुरक्षा मजबूत करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उनका कहना था कि ऐसी घटनाओं को महज अलग-थलग अपराध मानकर छोड़ना ठीक नहीं होगा। हत्या के बाद नागरिक संगठनों के विरोध-प्रदर्शन के बीच एफआईआर में मॉब लिंचिंग से संबंधित प्रावधान लगाए जाने की बात सामने आई।

इंदौर में 1.6 करोड़ का एम्फेटामाइन जब्त, बस से तस्करी कर रहे अपराधी पर नकेल

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने मध्य प्रदेश के इंदौर ज़िले में एक संदिग्ध ड्रग तस्कर को गिरफ़्तार किया है और लगभग 1.6 करोड़ रुपये की कीमत वाली 2.067 किलोग्राम एम्फैटेमिन जब्त की है। यह कार्रवाई इस जानकारी के आधार पर की गई कि दिल्ली से इंदौर बस से यात्रा कर रहा एक यात्री अपने सामान में नशीले पदार्थ ले जा रहा था। इस जानकारी पर कार्रवाई करते हुए, DRI अधिकारियों ने 9 सितंबर को इंदौर-देवास बाईपास रोड पर इंदौर-देवास टोल प्लाजा पर संदिग्ध व्यक्ति की पहचान की और उसे रोका। उसके सामान की बारीकी से जांच के दौरान, टीम को चार सलवार-सूट सेट के अंदर छिपाकर रखे गए पीले रंग के चार सीलबंद लिफाफे मिले। हर लिफाफे में काले रंग की सीलबंद पॉलीथीन की थैली थी, जिसमें सफेद रंग का क्रिस्टल जैसा पदार्थ था। फील्ड टेस्टिंग में इस पदार्थ में एम्फेटामाइन होने की पुष्टि हुई, जिसके बाद NDPS एक्ट, 1985 के तहत कुल 2,067 ग्राम एम्फेटामाइन (पैकेजिंग के वजन सहित) वाले चार पैकेट जब्त किए गए। इसके बाद, ड्रग्स की तस्करी के शक में उस व्यक्ति को NDPS एक्ट के तहत गिरफ्तार कर लिया गया और मामले की आगे की जांच

चल रही है। पिछले महीने, इंदौर में एक नाइजीरियाई महिला को गिरफ्तार किया गया था और उसके पास से लगभग 29 लाख रुपये कीमत की 58 ग्राम कोकीन बरामद की गई थी। आरोपी महिला की पहचान इमैनुएल जॉय के तौर पर हुई थी और उसे जिले की चंदन नगर पुलिस ने पकड़ा था। वह मुंबई से बस के जरिए इंदौर आई थी। एडिशनल डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (क्राइम ब्रांच) राजेश डंडोतिया ने कहा, 'जानकारी मिलने पर चंदन नगर पुलिस ने इमैनुएल जॉय नाम की एक नाइजीरियाई महिला को पकड़ा। उसने हमें बताया कि वह सात महीने के बिजनेस वीजा पर भारत आई थी और मुंबई से बस के जरिए इंदौर पहुंची थी। तलाशी के दौरान, उसके पास से लगभग 29 लाख रुपये कीमत की 58 ग्राम कोकीन बरामद हुई।

सागर में जहरीली शराब त्रासदी! मुख्यमंत्री यादव ने न्यायिक जांच के दिए आदेश

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। दुबई दौरा खत्म कर लौटे मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बुधवार को अपने सभी तय कार्यक्रम स्थगित कर सीधे सागर जिले का दौरा किया। सागर में जहरीली शराब के सेवन से अब तक 15 लोगों की दुखद मृत्यु हो चुकी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री ने बुंदेलखंड मेडिकल कॉलेज पहुंचकर अस्पताल में भर्ती पीड़ित मरीजों से मुलाकात की, उनका हाल-चाल जाना और डॉक्टरों को उनके इलाज में कोई कसर न छोड़ने के कड़े निर्देश दिए। घटना पर सख्त रुख अपनाते हुए मुख्यमंत्री ने पूरे मामले की न्यायिक जांच के आदेश जारी कर दिए हैं, ताकि निष्पक्षता के साथ सभी तथ्यों और जिम्मेदारियों का स्पष्ट निर्धारण हो सके।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री ने इस मामले में कड़ा रुख अख्तियार करते हुए पूरे मामले की न्यायिक जांच के आदेश दिए ताकि निष्पक्ष जांच के साथ तथ्यों और जिम्मेदारियों का स्पष्ट निर्धारण हो सके।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर दिलीप कुमार ने सागर संभाग के आयुक्त के रूप में कमान संभाल ली है जबकि इरशाद वली को सागर संभाग की पुलिस की जिम्मेदारी सौंपते हुए महानिरीक्षक (आईजी) बनाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि मुख्यमंत्री का मानना है कि गंभीर मामलों में लापरवाही अथवा अनियमितता को किसी भी स्तर पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने कहा कि यादव ने आमजन की सुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता बताते हुए कहा कि कानून-व्यवस्था से जुड़े मामलों में लापरवाही पाए जाने पर जवाबदेही तय की जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री यादव ने सागर जिले के बंडा-शाहगढ़ क्षेत्र में अवैध शराब से लोगों की मौत के मामले में कठोरतापूर्वक कार्रवाई सुनिश्चित किए जाने की बात कही। उन्होंने कहा, ''किसी भी दोषी को छोड़ा नहीं जाए। जिले में नशा मुक्ति अभियान भी चलाया जाए जिससे ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। उन्होंने मृतकों के प्रति अपनी शोक संवेदना भी व्यक्त की।''

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली मेट्रो के 17 स्टेशन बंद करने पर केंद्र और डीएमआरसी से मांगा जवाब

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी (कॉजपा) के प्रदर्शन के दौरान 17 मेट्रो स्टेशनों को बंद किए जाने के खिलाफ दायर याचिका पर बृहस्पतिवार को केंद्र, दिल्ली पुलिस और अन्य से जवाब मांगा। जुलाई में जंतर-मंतर पर प्रदर्शन स्थल के आसपास 17 मेट्रो स्टेशनों को बंद करने और सुरक्षा प्रतिबंध लगाए जाने से मध्य दिल्ली में यातायात व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हुई थी। कई जगहों पर यात्रियों को घंटों फंसे रहना पड़ा था और कई लोगों को लंबे तथा अधिक खर्च वाले वैकल्पिक रास्तों का सहारा लेना पड़ा था। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने अधिवक्ता स्पर्शकांत नायक की ओर से दायर याचिका पर केंद्र, दिल्ली पुलिस, दिल्ली मेट्रो रेल निगम (डीएमआरसी) और अन्य को नोटिस जारी किया। सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता की ओर से पेश वकील ने कहा कि यह याचिका आम जनता के संवैधानिक अधिकारों और सार्वजनिक सेवा को बंद करने के संबंध में तय संवैधानिक मानकों से जुड़ी है। उन्होंने कहा, ''ऐसे आदेश जारी करने के लिए कोई विशेष कानून भी नहीं है। वास्तव में कोई आदेश पारित ही नहीं किया गया था। जनता को फैसले की जानकारी देने के लिए केवल सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट किए गए थे।''

नाबालिग लड़की के उत्पीड़न पर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- किसी आरोपी को बचाया नहीं जाना चाहिए

वेलकम इंडिया, नेटवर्क

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को जुलाई में 'कॉकरोच जनता पार्टी' के विरोध प्रदर्शन में शामिल एक नाबालिग लड़की के उत्पीड़न के आरोपों को गंभीरता से लिया। कोर्ट ने कहा कि किसी को भी आपराधिक कार्रवाई करने के लिए पीड़ित या उसके परिवार को डराने-धमकाने की इजाजत नहीं दी जा सकती।

मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत और जस्टिस जॉयमाल्य बागची और वी. मोहना की बेंच ने सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता से लड़की की एफआईआर पर कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा और इस मामले पर दिल्ली और उत्तर प्रदेश सरकारों से रिपोर्ट मांगी।

बेंच ने कहा क्या कहा?

बेंच ने कहा, 'ऐसे मामलों को हल्के में नहीं लिया जा सकता। अगर किसी बच्चे के खिलाफ हिंसा का मामला हो तो किसी को भी बचाया नहीं जाना चाहिए। अगर ऐसे कामों के आरोपी खुलेआम घूम रहे हों और

बच्चे या उसके परिवार को डराने-धमकाने की कोशिश कर रहे हों ताकि वे आपराधिक कार्रवाई न करें, तो यह एक गंभीर मामला होगा।'

लड़की के वकील ने कोर्ट को क्या बताया?

14 साल की लड़की के वकील ने कोर्ट को बताया कि सीजेपी के विरोध प्रदर्शन के दौरान एक व्यक्ति ने वीडियो में दावा किया था कि उसने लड़की के पिता पर हमला किया था। इस व्यक्ति के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने के बाद लड़की को परेशान किया गया और उसके घर में तोड़-फोड़ की गई।

बिना किसी का नाम लिए वकील ने कहा कि जो लोग आरोपी के साथ थे और कथित तौर पर कैमरे में कैद हुए थे, उन पर कार्रवाई करने के बजाय बच्चे के खिलाफ ही एफआईआर दर्ज कर ली गई। वकील ने कहा कि यह सुप्रीम कोर्ट के पहले के आदेश के भी खिलाफ है।

उन्होंने कहा कि ऐसा वीडियो रिकॉर्ड पर रखा जा सकता है जिसमें लड़की के घर पर पत्थरबाजी होती दिख रही है। वकील ने अपनी बात रखते हुए कहा, 'हाई-पावर्ड कमेटी को समय लगेगा, लेकिन अगर इस बीच बच्चे के साथ कुछ हो जाता है, तो कमेटी के जरिए उसे बाद में ठीक या बदला नहीं जा सकेगा।'

संपादक की कलम

ब्रिक्स शक्ति-संघर्ष का अखाड़ा नहीं, सहयोग का सेतु बने

ललित शर्मा
संपादक

नई दिल्ली में 12–13 सितंबर को होने वाला 18वां ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ऐसे समय में हो रहा है, जब विश्व व्यवस्था गहरे संक्रमण से गुजर रही है। रूस–यूक्रेन युद्ध, पश्चिम एशिया का तनाव, आतंकवाद, व्यापारिक टकराव, ऊर्जा एवं खाद्य सुरक्षा की चिंता, कृत्रिम बुद्धिमत्ता की तेज होती चुनौती और वैश्विक संस्थाओं की विश्वसनीयता पर उठते प्रश्नों ने दुनिया के सामने अनेक अनुत्तरित सवाल खड़े कर दिए हैं। इसके साथ ही अमेरिका की व्यापार एवं रणनीतिक नीतियों से पैदा हो रहा दबाव भी वैश्विक अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। ऐसे वातावरण में भारत की अध्यक्षता में होने वाला यह सम्मेलन केवल एक कूटनीतिक आयोजन नहीं, बल्कि बदलती विश्व व्यवस्था की दिशा तय करने का महत्वपूर्ण अवसर है। भारत ने अपनी अध्यक्षता का मूल मंत्र रखा है– लचीलेपन, नवाचार, सहयोग और स्थिरता के आधार पर भविष्य का निर्माण। ब्रिक्स अब 2006 में आरंभ हुई उस मूल अवधारणा से बहुत आगे निकल चुका है, जिसमें ब्राजील, रूस, भारत और चीन प्रमुख उभरती अर्थव्यवस्थाओं के रूप में सामने आए थे और बाद में दक्षिण अफ्रीका भी इसमें शामिल हुआ। विस्तार के बाद यह 11 सदस्यीय समूह बन चुका है और इसका प्रभाव वैश्विक दक्षिण की राजनीति और अर्थव्यवस्था में लगातार बढ़ा है। वर्ष 2026 ब्रिक्स की स्थापना के दो दशक पूरे होने का वर्ष भी है। भारत के लिए यह अध्यक्षता इसलिए भी महत्वपूर्ण है कि वह ब्रिक्स को किसी पश्चिम-विरोधी या अमेरिका-विरोधी मंच के रूप में नहीं, बल्कि विकासशील एवं उभरती अर्थव्यवस्थाओं की रचनात्मक, संतुलित और बहुपक्षीय आवाज के रूप में स्थापित करना चाहता है। ब्राजील में 2025 के ब्रिक्स सम्मेलन में वैश्विक दक्षिण की आवाज को मजबूत करने, बहुपक्षीय व्यवस्था में सुधार, कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जिम्मेदार वैश्विक शासन, जलवायु वित्त, स्वास्थ्य, व्यापार और वित्तीय सहयोग जैसे विषयों पर महत्वपूर्ण सहमति बनी थी। रियो घोषणा में संयुक्त राष्ट्र व्यवस्था को अधिक प्रतिनिधित्वपूर्ण बनाने और वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर बल दिया गया था। साथ ही स्थानीय मुद्राओं में वित्तीय लेन-देन, सीमा-पार भुगतान व्यवस्था और आपूर्ति शृंखला को मजबूत करने की दिशा में भी आगे बढ़ने की बात कही गई थी। भारत को 2026 की अध्यक्षता सौंपते हुए ब्राजील ने नई दिल्ली से इस प्रक्रिया को आगे बढ़ाने की अपेक्षा व्यक्त की थी। इस दृष्टि से दिल्ली सम्मेलन की पहली बड़ी कसौटी यही होगी कि ब्रिक्स घोषणाओं और वास्तविक उपलब्धियों के बीच की दूरी कितनी कम कर पाता है। भारत ने अध्यक्षता के दौरान 25 से अधिक शहरों में 350 से अधिक बैठकें और उच्चस्तरीय कार्यक्रम आयोजित किए हैं। राजनीतिक एवं सुरक्षा सहयोग, आर्थिक एवं वित्तीय सहयोग तथा सांस्कृतिक एवं जन-जन संपर्क–इन तीनों क्षेत्रों में व्यावहारिक परिणामों पर जोर दिया गया है। इसलिए अब दुनिया की नजर इस बात पर होगी कि सम्मेलन के अंत में केवल लंबा संयुक्त घोषणापत्र सामने आता है या कुछ ऐसे ठोस फैसले भी होते हैं जिनका असर आने वाले वर्षों में दिखाई दे। कृत्रिम बुद्धिमत्ता इस सम्मेलन की सबसे महत्वपूर्ण चुनौतियों में से एक है। एआई ने चिकित्सा, शिक्षा, कृषि, उद्योग, वित्त और शासन के क्षेत्र में अभूतपूर्व संभावनाएं खोली हैं, लेकिन इसके साथ रोजगार, डेटा सुरक्षा, गलत सूचना, साइबर सुरक्षा और तकनीकी असमानता के खतरे भी बढ़े हैं। ब्राजील सम्मेलन में भी एआई के वैश्विक शासन को लेकर व्यापक चिंता व्यक्त की गई थी। भारत अब ब्रिक्स देशों के बीच एआई, उन्नत कंप्यूटिंग, क्वांटम तकनीक और सेमीकंडक्टर जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की दिशा में जोर दे रहा है।

भारत की तंबाकू नियंत्रण नीति में है बड़ी खामी

डॉ. सत्यवान सौरभ
लेखक

भारत में तंबाकू नियंत्रण के सामने अब एक नई चुनौती खड़ी हो रही है। बाजार में ऐसे निकोटिन पाउच तेजी से दिखाई देने लगे हैं, जिनमें तंबाकू की पत्ती नहीं होती, लेकिन निकोटिन मौजूद रहता है। छोटे और आसानी से इस्तेमाल किए जा सकने वाले ये पाउच अलग-अलग स्वादों में उपलब्ध हैं। इन्हें दुकानों के साथ-साथ ऑनलाइन भी बेचा जा रहा है। एक अध्ययन में ऐसे निकोटिन पाउच देश के 10 में से 7 शहरों में पाए गए। इनमें निकोटिन की मात्रा भी काफी अधिक थी। इससे साफ है कि यह केवल भविष्य की समस्या नहीं है, बल्कि भारत के बाजार में इसकी मौजूदगी बढ़ रही है।

सबसे बड़ी चिंता यह है कि तंबाकू न होने के कारण मौजूदा कानूनों में इन उत्पादों की सही जगह स्पष्ट नहीं है। भारत में तंबाकू नियंत्रण के लिए मुख्य कानून सिगरेट और अन्य तंबाकू उत्पाद अधिनियम यानी सीओटीपीए, 2003 है। यह कानून मुख्य रूप से उन उत्पादों पर लागू होता है जिनमें तंबाकू मौजूद है। इसलिए तंबाकू-मुक्त निकोटिन पाउच को सीधे सीओटीपीए के तहत रखना आसान नहीं है। यही कानूनी खामी कंपनियों और विक्रेताओं के लिए रास्ता खोल सकती है।

सीओटीपीए के तहत तंबाकू उत्पादों के विज्ञापन, नाबालिगों को बिक्री, पैकेजिंग और स्वास्थ्य चेतावनी जैसे कई नियम हैं। लेकिन यदि किसी उत्पाद में तंबाकू की जगह केवल निकोटिन है तो सवाल उठता है कि उस पर यही नियम किस आधार पर लागू किए जाएं। कानून को केवल उसकी भावना के आधार पर नहीं चलाया जा सकता। प्रशासन यह मानकर किसी नए उत्पाद को पुराने कानून में नहीं ला सकता कि उसका स्वास्थ्य पर प्रभाव समान है। इसके लिए स्पष्ट कानूनी आधार जरूरी है।

कुछ लोग निकोटिन पाउच को इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम, 2019 के तहत नियंत्रित करने की बात कर सकते हैं। लेकिन यह रास्ता भी आसान नहीं है। ई-सिगरेट ऐसे उपकरण हैं जिनमें किसी पदार्थ को गर्म करके एरोसोल बनाया जाता है। निकोटिन पाउच में न तो कुछ जलाया जाता है और न ही एरोसोल बनाया जाता है। इसे केवल इसलिए ई-सिगरेट मान लेना कि दोनों में निकोटिन होता है, कानूनी रूप से कमजोर तर्क हो सकता है। इसलिए सरकार को इस बारे में स्पष्ट कानूनी व्यवस्था बनाने की जरूरत है।

खाद्य सुरक्षा कानून के तहत खाद्य पदार्थों में तंबाकू और निकोटिन के इस्तेमाल पर रोक है। लेकिन हर ऐसी चीज जिसे मुंह में रखा जाता है, जरूरी नहीं कि वह कानूनी रूप से खाद्य पदार्थ भी हो। निकोटिन पाउच का इस्तेमाल मुंह में किया जाता है, लेकिन इससे वह अपने आप खाद्य पदार्थ नहीं बन जाता। इसलिए केवल खाद्य सुरक्षा कानून के सहारे इनके पूरे बाजार को नियंत्रित करना भी आसान नहीं होगा। अलग-अलग कानूनों के बीच स्पष्टता और आपसी तालमेल जरूरी है।

निकोटिन का इस्तेमाल कुछ चिकित्सकीय उत्पादों में भी होता है। उदाहरण के लिए निकोटिन गम और पैच जैसे उत्पाद धूम्रपान छोड़ने में मदद के लिए इस्तेमाल किए जाते हैं और इन पर औषधि संबंधी नियम लागू होते हैं। इसलिए सरकार को निकोटिन पाउच की प्रकृति और उनके दावों के आधार पर यह स्पष्ट करना चाहिए कि कोई उत्पाद चिकित्सकीय उपयोग का है या केवल मनोरंजक इस्तेमाल के लिए बाजार में लाया गया है। हर निकोटिन उत्पाद को दवा मान लेना सही नहीं होगा और हर उत्पाद को दवा के दायरे से बाहर रखना भी उचित नहीं होगा। हाल में निकोटिन पाउच की बिक्री को लेकर मुंबई हवाई अड्डे की ड्यूटी-फ्री दुकानों का मामला भी सामने आया।

इससे पता चलता है कि इन उत्पादों की कानूनी स्थिति को लेकर सरकार और कारोबारियों के बीच भ्रम पैदा हो सकता है। ऐसे मामलों में केवल कार्रवाई करना पर्याप्त नहीं है। सरकार को यह भी स्पष्ट करना होगा कि किस कानून के तहत कार्रवाई की जा रही है और उसकी कानूनी सीमा क्या है। सरकार को इस मामले में जल्दबाजी में ऐसा आदेश नहीं निकालना चाहिए जो बाद में अदालत में टिक न पाए। सबसे पहले यह स्पष्ट किया जाना चाहिए कि किन परिस्थितियों में निकोटिन युक्त मौखिक उत्पादों को दवा माना जाएगा और किन परिस्थितियों में नहीं। इसके लिए वैज्ञानिक प्रमाण और मौजूदा कानून दोनों को आधार बनाया जाना चाहिए। साथ ही निकोटिन पाउच के आयात पर भी सख्ती की जरूरत है। सीमा शुल्क, विदेश व्यापार महानिदेशालय और औषधि नियामकों के बीच बेहतर तालमेल होना चाहिए, ताकि बिना उचित अनुमति के आने वाली खेपों पर प्रभावी कार्रवाई की जा सके।

स्वास्थ्य मंत्रालय, औषधि नियामक, खाद्य सुरक्षा प्राधिकरण, सीमा शुल्क और राज्य स्तर के संबंधित विभागों के बीच भी एक साझा व्यवस्था बनाई जानी चाहिए। अभी अलग-अलग विभागों के बीच जिम्मेदारी को लेकर अस्पष्टता दिखाई देती है। इसका फायदा कारोबारी उठा सकते हैं। यदि किसी उत्पाद की कानूनी स्थिति ही स्पष्ट नहीं होगी तो उसका प्रभावी नियमन कैसे होगा, यह सवाल स्वाभाविक है।

ऑनलाइन बिक्री पर भी विशेष ध्यान देना होगा। आज कोई भी नया उत्पाद केवल बाजार की दुकानों तक सीमित नहीं रहता। ई-कॉमर्स और क्विक-कॉमर्स के माध्यम से वह कुछ ही घंटों में उपभोक्ता तक पहुंच सकता है। इसलिए ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर बेचने से पहले उत्पाद की कानूनी स्थिति, विक्रेता की जानकारी और आयु सत्यापन जैसी व्यवस्थाएं जरूरी होनी चाहिए। बिना अनुमति या स्पष्ट कानूनी स्थिति वाले उत्पादों को ऑनलाइन बिक्री से हटाने की व्यवस्था भी प्रभावी होनी चाहिए।

युवाओं को इन उत्पादों से बचाना सबसे बड़ी प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके लिए स्पष्ट स्वास्थ्य चेतावनी, न्यूनतम आयु सीमा, बच्चों से सुरक्षित पैकेजिंग और युवाओं को आकर्षित करने वाले स्वाद तथा विज्ञापन पर नियंत्रण जैसे उपाय जरूरी हैं। लेकिन इन सभी उपायों का आधार मौजूदा कानून होना चाहिए। सरकार केवल कार्यकारी आदेश के माध्यम से ऐसा नया कानून नहीं बना सकती जो संसद के अधिकार क्षेत्र में आता हो।

सरकार के तत्काल कदम जरूरी हैं, लेकिन वे स्थायी समाधान नहीं हैं। स्थायी समाधान संसद को करना होगा। सीओटीपीए में संशोधन किया जा सकता है या निकोटिन उत्पादों के लिए एक नया व्यापक कानून बनाया जा सकता है। ऐसे कानून में अलग-अलग निकोटिन उत्पादों के लिए अलग श्रेणियां बनाई जा सकती हैं, जैसे ज्वलनशील तंबाकू, धुआंरहित तंबाकू, ई-सिगरेट, मौखिक निकोटिन पाउच और चिकित्सकीय निकोटिन उत्पाद। इससे कानून केवल इस बात पर निर्भर नहीं रहेगा कि किसी उत्पाद में तंबाकू की पत्ती है या नहीं, बल्कि यह भी देखा जाएगा कि वह शरीर में निकोटिन किस तरह पहुंचाता है और उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से किया जा रहा है।

भ्रष्टाचारी दीमक से जर्जर स्तंभों पर टिकी, 'हिन्दुस्तान' की इमारत

एनके शर्मा
लेखक

भारत की लोकतांत्रिक इमारत बाहर से जितनी विराट, रंगीन और भव्य दिखाई देती है, उसके भीतर उतनी ही गहरी दरारें पैदा हो चुकी हैं। संविधान के आदर्शों, लोकतांत्रिक संस्थाओं और जनकल्याणकारी शासन की जिस मजबूत नींव पर आधुनिक भारत का निर्माण होना था, उसी नींव को भ्रष्टाचार, बेईमानी, लूट-खसोट, अपराध, राजनीतिक अवसरवाद और नैतिक पतन की दीमक लगातार खोखला कर रही है। सबसे भयावह बात यह नहीं कि भ्रष्टाचार मौजूद है; भयावहता यह है कि उसका सामाजिक प्रतिरोध कमजोर और उसका राजनीतिक सामान्यीकरण लगातार मजबूत होता जा रहा है। जिस व्यवस्था में गलत काम करने वाला व्यक्ति अपराधबोध के बजाय प्रभाव, पहुंच और प्रतिष्ठा का प्रदर्शन करने लगे, वहां संकट केवल प्रशासन का नहीं रहता– वह सभ्यता के चरित्र का संकट बन जाता है।

भ्रष्टाचार अब केवल रिश्वत की वह छोटी-सी रकम नहीं है जो किसी फाइल को आगे बढ़ाने के लिए मेज के नीचे सरका दी जाती है। यह एक समानांतर सत्ता-तंत्र है, जिसमें नियम बाधा हैं, कानून सौदेबाजी की वस्तु है और सार्वजनिक पद निजी लाभ का साधन। ठेके से लेकर नियुक्ति तक, जमीन से लेकर सरकारी खरीद तक, लाइसेंस से लेकर योजनाओं तक– जहां पारदर्शिता कमजोर पड़ती है, वहां दलाल तंत्र अपनी जड़ें जमा लेता है। गरीब नागरिक के लिए व्यवस्था का दरवाजा जितना भारी होता जाता है, प्रभावशाली व्यक्ति के लिए उतना ही हल्का। यही लोकतंत्र की सबसे बड़ी विडंबना है।

देश में बेईमानी का विस्तार केवल आर्थिक अपराधों में नहीं, बल्कि नैतिक संवेदनहीनता में भी दिखाई देता है। समाज में यह खतरनाक मानसिकता बढ़ रही है कि यदि किसी ने करोड़ों लूटे और पकड़ा नहीं गया तो वह 'सफल' है; यदि किसी ने सत्ता के संरक्षण में कानून को ठेंगा दिखाया तो वह 'शक्तिशाली' है; और यदि किसी ने ईमानदारी से जीवन बिताया तो उसे 'मूर्ख' समझा जाता है। जब समाज सफलता को चरित्र से नहीं, संपत्ति और संपर्क से मापने लगे तो भ्रष्टाचार व्यवस्था से निकलकर संस्कार बन जाता है। अपराध की दुनिया और राजनीति की दुनिया के बीच बढ़ती निकटता लोकतंत्र के लिए किसी भी बाहरी शत्रु से अधिक खतरनाक है। राजनीति का मूल उद्देश्य सत्ता प्राप्त करना नहीं, सत्ता को जनहित में संचालित करना था। लेकिन जब चुनाव जीतना ही अंतिम लक्ष्य बन जाए और उसके लिए धनबल, बाहुबल, जातीय ध्रुवीकरण, भय, झूठ और भावनात्मक उन्माद का सहारा लिया जाए, तब राजनीति लोकसेवा से सत्ता-व्यवसाय में बदल जाती है। दुर्भाग्य यह है कि अनेक राजनीतिक दल चुनावी मौसम में भ्रष्टाचार के विरुद्ध नैतिकता का मुखौटा पहनते हैं और सत्ता के गलियारों में पहुंचते ही उसी व्यवस्था के साथ समझौता कर लेते हैं जिसकी आलोचना करके वे जनता का विश्वास जीतते हैं।

राजनीतिक बेशर्मी का सबसे कुरूप चेहरा तब सामने आता है जब भ्रष्टाचार के आरोप व्यक्ति के सिद्धांत नहीं, उसकी राजनीतिक स्थिति देखकर तय होने लगते हैं। अपने दल का आरोपी 'षड्यंत्र का शिकार' और विरोधी दल का आरोपी 'राष्ट्र का अपराधी' बन जाता है। कल तक जिसे भ्रष्टाचार का प्रतीक बताया गया था, आज वही सत्ता समीकरण बदलते ही सम्मानित अतिथि बन सकता है। यह केवल राजनीतिक पाखंड नहीं, जनता की स्मृति और विवेक का अपमान है। लोकतंत्र में कानून की कसौटी व्यक्ति की राजनीतिक उपयोगिता नहीं, अपराध और प्रमाण होने चाहिए। जनता सब देख रही है।

वह सरकारी कार्यालयों की बंद फाइलों को देख रही है, वर्षों से लंबित शिकायतों को देख रही है, न्याय की प्रतीक्षा में बूढ़े होते नागरिकों को देख रही है, महंगाई और बेरोजगारी के बीच सिकुड़ते घरेलू बजट को देख रही है और दूसरी ओर सत्ता तथा उसके आसपास पलते वैभव को भी देख रही है। यह विरोधाभास जितना बढ़ेगा, जनाक्रोश उतना ही गहरा होगा। जिस नागरिक को अपने अधिकार के लिए बार-बार दरवाजा खटखटाना पड़े और जिसे अपनी ही व्यवस्था से न्याय पाने के लिए प्रभावशाली व्यक्ति की सिफारिश खोजनी पड़े, उसके भीतर व्यवस्था के प्रति सम्मान कितने दिन बचा रहेगा?

लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं है। लोकतंत्र का वास्तविक अर्थ है–समान कानून, जवाबदेह शासन, स्वतंत्र संस्थाएं, निर्भीक पत्रकारिता, निष्पक्ष न्याय और नागरिक की गरिमा। यदि चुनाव तो नियमित हों लेकिन संस्थाएं दबाव में हों, यदि संसद में बहस से अधिक शोर हो, यदि प्रशासनिक जवाबदेही कागजों में सीमित हो, यदि शिकायतों का निस्तारण केवल आंकड़ों की सुंदरता बढ़ाने के लिए किया जाए और यदि नागरिक की आवाज सत्ता की दीवारों से टकराकर लौट आए, तो लोकतंत्र का ढांचा बचा रह सकता है, उसकी आत्मा नहीं। भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा हथियार पैसा नहीं, बल्कि दण्डहीनता है।

जब अपराधी को यह विश्वास हो जाए कि वह कानून की गति से तेज भाग सकता है, जांच को प्रभावित कर सकता है, मुकदमे को वर्षों खींच सकता है और राजनीतिक संरक्षण प्राप्त कर सकता है, तब कानून का भय समाप्त हो जाता है। और जिस दिन कानून का भय समाप्त होता है, उसी दिन कानून के प्रति सम्मान भी क्षीण होने लगता है। फिर ईमानदार नागरिक नियमों का पालन करने को मजबूरी समझता है और बेईमान व्यक्ति नियम तोड़ने को अपनी योग्यता। इस परिस्थिति में राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी सबसे अधिक है। लेकिन दुर्भाग्य से दल अक्सर जनता के आक्रोश को समझने के बजाय उसे चुनावी गणित में बदलने में अधिक रुचि रखते हैं। बेरोजगार युवा के आक्रोश को जाति में बांटा जाता है, किसान की पीड़ा को राजनीतिक नारे में बदला जाता है, महंगाई के प्रश्न को धार्मिक भावनाओं के शोर में दबाया जाता है और भ्रष्टाचार के प्रश्न को 'हम बनाम वे' की लड़ाई बना दिया जाता है। जनता को नागरिक से मतदाता और मतदाता से वोट-बैंक में बदल देने की यह राजनीति लोकतंत्र की सबसे घातक गिरावट है। मीडिया की भूमिका भी इस संकट से अलग नहीं है। पत्रकारिता का धर्म सत्ता से प्रश्न पूछना है, सत्ता का प्रचार करना नहीं। जब समाचार और विज्ञापन की सीमाएं धुंधली होने लगें, जब टीआरपी सत्य पर भारी पड़ने लगे और जब पत्रकारिता का एक हिस्सा सत्ता तथा पूंजी के बीच असहज प्रश्न पूछने के बजाय सुविधा का पुल बन जाए, तब लोकतंत्र का प्रहरी स्वयं कमजोर हो जाता है। स्वतंत्र और निर्भीक पत्रकारिता के बिना भ्रष्टाचार का अंधकार अधिक गहरा होता है, क्योंकि सत्ता को आईना दिखाने वाला कोई नहीं बचता। फिर भी भारत की कहानी केवल निराशा की कहानी नहीं है। इस देश में आज भी ईमानदार अधिकारी हैं, निर्भीक पत्रकार हैं, न्याय के लिए लड़ने वाले नागरिक हैं, सामाजिक कार्यकर्ता हैं, न्यायपालिका के भीतर सत्य के प्रहरी हैं और लाखों ऐसे सामान्य लोग हैं जो विपरीत परिस्थितियों में भी अपने चरित्र से समझौता नहीं करते।

संस्कारों से बढ़कर कोई सुविधा नहीं

किशन भावनानीं

कविता

बच्चों को हर सुख-सुविधा देना ही परवरिश नहीं कहलाती,
बिन संस्कारों के दौलत भी जीवन में खुशियाँ नहीं लाती।
सुविधाएँ छिन जाएँ तो बच्चा कुछ पल रोकर संभल जाएगा,
संस्कारों से वंचित हो तो जीवनभर पछताएगा।

महँगे खिलौने देकर बचपन को खुशहाल मत समझना,
हर जिद पूरी करके उसे संस्कारी इंसान मत समझना।
सुविधाएँ राह आसान करेंगी, मगर चरित्र नहीं बनाएँगी,
संस्कारों की सीख ही उसे जीवन की मंजिल तक पहुँचाएँगी।

आज सुविधाएँ कम दोगे तो बच्चा थोड़ी देर रोएगा,
कल मेहनत और संघर्ष से अपने पैरों पर खड़ा होगा।
आज संस्कारों से दूर रखा तो कल पछताना पड़ेगा,
अपनों के बीच रहकर भी अकेलेपन में जलना पड़ेगा।

धन-दौलत से ऊँचा संस्कारों का अनमोल खजाना है,
बच्चे के उज्ज्वल भविष्य का यही सच्चा ठिकाना है।
जिस घर में सत्य, सेवा और सम्मान का दीप जलता है,
वहीं बच्चे का व्यक्तित्व जीवनभर सुंदर फलता है।

सुविधाएँ देकर नहीं, संस्कार देकर महान बनाइए,
बच्चों को जीवन की सही राह का ज्ञान कराइए।
किशन आज थोड़ी सख्ती होगी, कल सुख अपार मिलेगा,
संस्कारवान संतान से ही परिवार और समाज को उद्धार मिलेगा।

आदमी घर में बैठा है, सरकारी कागज उसे ढूंढ रहा है

प्रो. आरके जैन
लेखक

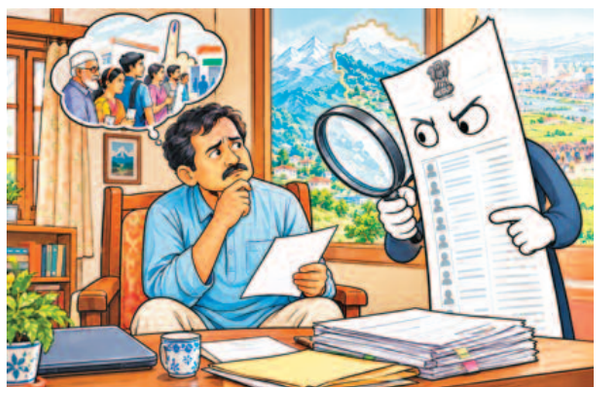

उत्तराखंड में मतदाता सूची की सफाई शुरू हुई तो लगा, जैसे लोकतंत्र के पुराने घर में झाड़ू चल रही हो। धूल हटनी ही चाहिए, लेकिन झाड़ू लगते-लगाते एक चौंकाने वाला सच सामने आया–उधम सिंह नगर, हरिद्वार, देहरादून और नैनीताल, इन चार मैदानी जिलों से ही नाम हटाने के करीब 80-85 प्रतिशत आवेदन आए हैं। पहाड़ खामोश हैं, मैदानों में हलचल है। सवाल सूची की सफाई पर नहीं, इस असमानता पर है–आखिर इतनी 'गंदगी' इन्हीं चार जिलों में क्यों मिली? लोकतंत्र में आंकड़े मौन जरूर होते हैं, मगर कभी-कभी उनका मौन ही सबसे तीखा सवाल बन जाता है।

मतदाता सूची में मृत, स्थानांतरित, दोहरी या गलत प्रविष्टियां हों तो उन्हें हटाना व्यवस्था की जिम्मेदारी है। मगर सफाई और छंटाई में फर्क है–घर की धूल हटाई जाती है, घर के लोग नहीं। उत्तराखंड के पहाड़ों से मैदानों की ओर वर्षों से पलायन हुआ। लोग यहां बसे, घर बनाए, बच्चों को पढ़ाया, दुकानें खोलीं, मजदूरी और नौकरियां कीं और इसी मिट्टी में अपने जीवन की जड़ें जमा दीं। कई वर्षों से वोट देते आए ये लोग अब अचानक संदेह के घेरे में हों तो मामला कागज से आगे बढ़ जाता है। तब आदमी को अपने ही घर में यह साबित करना पड़ता है कि वह सचमुच इसी घर का है।

फॉर्म-7 इस कहानी का छोटा-सा कागज है, लेकिन उसके पीछे बड़ा सवाल है–आवेदन कौन कर रहा है और किस आधार पर? कोई इसे घुसपैठ से जोड़ रहा है, कोई दोहरी प्रविष्टि से। राजनीतिक दल अपने-अपने चश्मे से तस्वीर देख रहे हैं और प्रशासन नियम-कायदों के बीच रास्ता तलाश रहा है। मगर इन सबके बीच आम मतदाता अकेला खड़ा है–न उसके पास माइक है, न मंच, न अपनी बात कहने का कोई प्रभावशाली सहारा। उसके पास बस उसका नाम है। डर यही है कि अगली सूची में कहीं वही नाम न हो। जिस बुजुर्ग ने वर्षों मतदान किया, उसका नाम एक दिन गायब मिले तो यह महज कंप्यूटर की गलती नहीं, लोकतंत्र के दरवाजे पर उसके लिए बंद हुआ एक किवाड़ है।

चार जिलों में ही इतने आवेदन क्यों आए–इस सवाल का जवाब जरूरी है। मैदानों में आबादी अधिक है, प्रवासी, मजदूर, व्यापारी और अलग-अलग जगहों से आकर बसे परिवार भी अधिक हैं; इसलिए सूची में बदलाव की संभावना स्वाभाविक है। लेकिन सवाल फिर भी बचता है–पहाड़ों में नाम कम हट रहे हैं तो क्या वहां सब कुछ अपने आप सही है? क्या कम आवेदन शुद्धता की गारंटी हैं? या मैदानों की भीड़ को ही संदेह की पहली सीढ़ी मान लिया गया है? पहाड़ का सन्नाटा शुद्धता और मैदान की भीड़ गड़बड़ी मान लेना आसान है। मगर लोकतंत्र सुविधा से नहीं, सबके लिए एक जैसी कसौटी से चलता है। सत्ता को सफाई हमेशा पसंद आती है–सड़कें साफ हों, दफ्तर साफ हों, फाइलें साफ हों और मतदाता सूची भी साफ हो, इससे भला किसे आपत्ति होगी?

मुश्किल तब शुरू होती है, जब सफाई के नाम पर यह तय होने लगे कि कौन 'अनावश्यक' है। गलत नाम हटाना जरूरी है, लेकिन सही नागरिक को महज संदेह के आधार पर सूची से बाहर करना लोकतंत्र के साथ बड़ी भूल होगी। कागजों की दुनिया में इंसान धीरे-धीरे सिर्फ एक 'एंट्री' बन जाता है; एंट्री गलत हुई तो आदमी भी गलत ठहर जाता है। फिर सवाल यह नहीं रहता कि तुम कौन हो, सवाल बन जाता है–साबित करो कि तुम वही हो, जो कल तक थे।

सबसे चिंता की बात नाम हटने की संख्या नहीं, बल्कि उस पूरी प्रक्रिया की पारदर्शिता है। जब इतने बड़े पैमाने पर आवेदन आए हैं तो उनकी जांच भी उतनी ही गंभीर, निष्पक्ष और स्पष्ट होनी चाहिए। कौन आवेदन कर रहा है, किस आधार पर और सत्यापन किस तरह हो रहा है–इन सवालों का जवाब व्यवस्था को देना ही होगा। आवेदन पड़ोसी ने किया, प्रतिद्वंद्वी ने या किसी संगठित तंत्र ने–अनुमान से ज्यादा जरूरी निष्पक्ष जांच है। लोकतंत्र में नाम जोड़ना कृपा नहीं और नाम हटाना सजा नहीं। हर आवेदन को सच मान लेना जितना खतरनाक है, हर शिकायत को राजनीतिक साजिश मान लेना भी उतना ही गलत।

मतदाता सूची कोई साधारण सरकारी रजिस्टर नहीं, वह समाज की नागरिक स्मृति है। उसमें दर्ज हर नाम इस बात की गवाही है कि एक इंसान की आवाज लोकतंत्र तक पहुंचती है। मजदूर हो या व्यापारी, प्रवासी परिवार हो या बूढ़ा नागरिक–हर नाम के पीछे एक जीवन, एक संघर्ष और एक उम्मीद है। नाम मिटाना कुछ सेकंड का काम हो सकता है, लेकिन उससे जन्मा अविश्वास वर्षों तक पीछा करता है। लोकतंत्र की स्याही कागज पर सूख जाती है, मगर भरोसे पर पड़ी खरोंच आसानी से नहीं मिटती। इसलिए सफाई ऐसी हो जिसमें गलतियां हटें, नागरिक नहीं; दोहरी प्रविष्टियां मिटें, किसी का अधिकार नहीं।

उत्तराखंड की यह पहेली किसी दल, समुदाय या जिले भर की समस्या नहीं, पूरी व्यवस्था की परीक्षा है। चार मैदानी जिलों से 80-85 प्रतिशत नाम हटाने के आवेदन आए हैं तो यह आंकड़ा जांच मांगता है, फैसला नहीं। पहाड़ों की शांति को भी पूर्ण शुद्धता का प्रमाण नहीं माना जा सकता। हर नाम पर समान नियम, हर शिकायत पर समान जांच और हर नागरिक को समान अधिकार–यही लोकतंत्र की असली कसौटी है। चुनाव केवल मशीन, बूथ और मतपत्र नहीं, उस भरोसे का नाम है जिसमें नागरिक को यकीन होता है कि उसकी आवाज गिनी जाएगी। इसलिए आखिरी सवाल यही है–हम मतदाता सूची साफ कर रहे हैं या लोकतंत्र का आईना? आईना साफ होना चाहिए, मगर उसे पोंछते-पोंछते उसमें दिखने वाले चेहरे ही मिट जाएं, तो उस साफ आईने का अर्थ ही क्या रह जाएगा?

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक ललित कुमार द्वारा वेलकम इंडिया प्रिन्टर्स, 1/26, साउथ साइड, जी टी रोड़, गाजियाबाद-201001 से मुद्रित कराकर ग्राउन्ड फ्लोर, दुर्गा टॉवर, आर.डी.सी राजनगर, गाजियाबाद 201002 से प्रकाशित किया। संपादक : ललित शर्मा
सम्पर्क सूत्र: 9891116568

किसी कानूनी विवाद की स्थिति में निपटारा गाजियाबाद न्यायालय में ही होगा।

साहनपुर डबल मर्डर केस में फैसला, 14 साल बाद दोषी को उम्रकैद, 60 हजार जुमार्ना लगाया

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर/नजीबाबाद। नजीबाबाद नगर पंचायत साहनपुर में 14 साल पहले हुए डबल मर्डर के मामले में अदालत ने एक दोषी को उम्रकैद की सजा सुनाते हुए 60 हजार का जुमार्ना भी लगाया है। फास्ट ट्रैक कोर्ट द्वितीय के अपर जिला जज डॉ. शहजाद अली ने रफीक पुत्र हनीफ निवासी रवापुरी, नजीबाबाद को दो युवकों की हत्या का दोषी पाते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई मामले में दो अन्य दोषियों को चार वर्ष पहले ही उम्रकैद की सजा सुनाई जा चुकी है, जबकि एक आरोपी अब भी फरार बताया गया है। अभियोजन पक्ष के अनुसार, साहनपुर निवासी बुंदु की बर्तनों की दुकान थी। बड़ा बेटा जाकिर रायपुर थाना नगीना देहात क्षेत्र में अलग बर्तनों की दुकान करता था। 15 फरवरी 2012 को जाकिर दुकान बंद कर बाइक से घर आया और फिर घर से निकल गया। उसने अपने छोटे भाई सलमान को भी अपने पास बुला लिया। देर रात तक दोनों भाई घर नहीं लौटे तो परिजनों ने उनकी तलाश शुरू की। अगले दिन जाकिर की बाइक गंधक फैक्ट्री के पास एक इंटर कॉलेज के नजदीक मिली, जिस पर खून के निशान थे। तलाश के दौरान जाकिर का शव गन्ने के खेत में मिला, जबकि कुछ दूरी पर सलमान का शव भी बरामद हुआ। दोनों की धारदार हथियार से हत्या की गई थी। परिजनों के मुताबिक, हत्या से करीब आठ-नौ महीने पहले सलमान का मोहल्ला नद्दाफान निवासी माजिद से पैसों को लेकर विवाद हुआ था।

पुलिस जांच में रफीक का नाम सामने आया। अभियोजन के मुताबिक पुलिस ने रफीक की निशानदेही पर हत्या में प्रयुक्त चाकू बरामद किया था और उसे साथियों के साथ जेल भेजा था मामले में अभियोजन पक्ष ने अदालत में नौ गवाह पेश किए। इस मामले में सलाउद्दीन पुत्र इदरीस निवासी साहनपुर और गुड्डू उर्फ जाकिर पुत्र अनवर निवासी असगरीपुर नूरपुर को चार वर्ष पहले जिला जज मदनपाल सिंह की अदालत से उम्रकैद की सजा सुनाई जा चुकी है। वहीं शाहिद उर्फ स्पेशल नामक आरोपी फरार बताया गया है।

एसआई संजय सिंह का एसएसआई पद पर हुआ प्रमोशन, बाबूगढ़ थाना स्टाफ ने माला पहनाकर दी शुभकामनाएं

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। थाना बाबूगढ़ में उपनिरीक्षक के पद पर तैनात रहे संजय सिंह का प्रमोशन होकर उन्हें गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली में वरिष्ठ उपनिरीक्षक के पद पर तैनाती मिली है। उनके प्रमोशन पर थाना बाबूगढ़ में खुशी का माहौल रहा। इस अवसर पर थाना प्रभारी प्रवीण कुमार के नेतृत्व में थाना बाबूगढ़ के समस्त पुलिस स्टाफ ने संजय सिंह को माला पहनाकर सम्मानित किया तथा उनके प्रमोशन पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। पुलिसकर्मियों ने उनकी नई जिम्मेदारी के लिए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।वहीं पत्रकार राजेंद्र सिंह ने भी संजय सिंह को माला पहनाकर प्रमोशन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि संजय सिंह ने बाबूगढ़ थाने में अपने कार्यकाल के दौरान जिम्मेदारी और कर्तव्यनिष्ठा के साथ कार्य किया। उन्होंने उम्मीद जताई कि गढ़मुक्तेश्वर कोतवाली में एसएसआई के पद पर भी संजय सिंह इसी तरह बेहतर कार्य करते हुए पुलिस विभाग की गरिमा बढ़ाएंगे। संजय सिंह ने थाना प्रभारी, पुलिस स्टाफ एवं पत्रकार राजेंद्र सिंह का आभार व्यक्त करते हुए सभी का धन्यवाद किया।

गांव डबासोवाला के दर्जनों किसानों में रोष व्याप्त जंगल का रास्ता पूरी तरह गड्ढो में तब्दील

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर/किरतपुर। ब्लॉक क्षेत्र के गांव औरंगजेबपुर गुलाल उर्फ डबासोवाला के दर्जनों किसानों में नहर से जंगल की ओर जाने वाले मात्र आधा किलोमीटर रास्ते को लेकर रोष व्याप्त हैं। यह रास्ता पूरी तरह गहरे गड्ढो में तब्दील हो गया है और बरसात होने पर तालाब जैसी स्थिति बन जाती है। किसान गजबीर सिंह ,होशराम सिंह, देशराज सिंह, मोहित कुमार, विजयपाल सिंह, जबर सिंह, चरण सिंह, वीरेंद्र सिंह, हुकम सिंह, बिट्टू सिंह, नितिन आदि का कहना है कि उक्त रास्ते की शिकायत उन्होंने जिला पंचायत अध्यक्ष शाकेंद्र सिंह और ब्लॉक प्रमुख किरतपुर से की लेकिन उन्हें सिर्फ आश्वासन ही मिला है। आज तक इस समस्या का समाधान नहीं हुआ। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते उक्त रास्ते का समाधान नहीं हुआ तो वह आगामी विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करेंग। किसान गजबीर सिंह ने कहा कि हम आज भी अंग्रेजों के जमाने जैसी जिंदगी जी रहे हैं। भाजपा सरकार में शिकायत पर कोई संज्ञान नहीं लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि करीब 30 साल से आज तक इस रास्ते पर कोई खड़ंजा भी नहीं लगा है। जिसकी शिकायत वह जिलाधिकारी बिजनौर से लिखित में करेंगे।

विशालनाथ तिवारी की साईकिल सवारी से बिगडेंगे सभी दलो के समीकरण

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ। जिले के एक और दिग्गज जिनकी ब्राह्मणों और सवर्णो के बीच साईलेन्ट पकड है ने सपा का झंडा पकड सिर पर लाल टोपी लगा साइकिल की सवारी करना सुनिश्चित कर लिया । जिन्हे लखनऊ के सपा प्रधान कार्यालय मे महाराष्ट्र सपा के प्रदेश अध्यक्ष अबू आजमी की उपस्थिति मे सपा राष्ट्रीय प्रमुख अखिलेश यादव ने समाजवादी टोपी पहना साइकिल की सवारी को तैयार कर दिया। प्रतापगढ मे ई०विशालनाथ तिवारी दूसरे ब्राह्मण चेहरा है जिन्होने समाजवादी पार्टी ज्वाइन किया है । इसके पहले रानीगंज के पूर्व विधायक राम शिरोमणि शुक्ला ने भी भाजपा छोड सपा का दामन थामा था। जो भाजपा के लिए एक बडा नुकसान था लेकिन अब विशाल नाथ तिवारी के समाजवादी पार्टी मे जाने से भाजपा ही नही बल्कि अन्य राजनीतिक दलो के सवर्ण मयदाताओ खासकर ब्राह्मणों मे गुमनाम सी लेकिन मजबूत पकड है। विशालनाथ तिवारी का कद इसी बात से समझा जा सकता है कि उन्हे लाल समाजवादी टोपी खुद सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने पहनायी जिसके साक्षी महाराष्ट्र सपा प्रदेश अध्यक्ष अबूआजमी बने। विशालनाथ तिवारी के समाजवादी पार्टी की सदस्यता ग्रहण करने के अवसर आशुतोष पांडेय नेता जी जिला उपाध्यक्ष और अम्बरीश यादव पूर्व प्रत्याशी जिला पंचायत तथा भारत टेंट हाउस के मालिक सलीम उर्फ नज्जू भाई भी उपस्थित रहे। विशालनाथ तिवारी ने सपा ज्वाइन करने के बाद बताया कि मैंने राष्ट्रीय अध्यक्ष और महाराष्ट्र प्रदेश अध्यक्ष को अंग वस्त्रम के साथ भगवान परशुराम जी की फोटो देकर सम्मानित किया और अखिलेश जी ने एक हाथ में भगवान श्री परशुराम की फोटो और दूसरे हाथ से मेरा हाथ दृढ़ता पकड़कर बहुत सकारात्मक प्रेम प्रदर्शित किया जिसके लिए मैं उनका हृदय से आभारी हूं। किसी भी विधानसभा क्षेत्र के संभावित प्रत्याशी को कोई नुकसान इसलिए नहीं हो सकता कि मैंने अखिलेश यादव जी के पूंछने पर किसी भी विधानसभा की संभावित प्रत्याशिता से इंकार करते हुए केवल पार्टी संगठन के लिए कार्य करने की इक्षा व्यक्त किया। सपा की सदस्यता ग्रहण कर जनपद प्रतापगढ़ पहुंचने पर सपा नगर अध्यक्ष निसार अहमद और मा सांसद पटेल जी के मीडिया प्रभारी मनीष पाल जी के नेतृत्व में अनेक छात्र सभा के युवकों द्वारा स्थानीय भंगवा चुंगी भव्य स्वागत करते हुए विशाल नाथ तिवारी को बधाई दी गई।

पत्रकार पर एफ आई पर हाईकोर्ट ने कहा बदले की भावना से एफ आई आर

विजय द्विवेदी/वेलकम इंडिया

प्रतापगढ़। इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने एक पत्रकार पर दर्ज एफआईआर पर रोक लगा दी है। पत्रकार ने सरकारी स्कूल की बदहाल व्यवस्था को उजागर किया था। कोर्ट ने कहा कि कमियां बताने वाले पत्रकार के खिलाफ कार्रवाई 'किलिंग द मैसेंजर' जैसी है। कोर्ट ने एफआईआर को पहली नजर में बदले की भावना माना। न्यायमूर्ति अब्दुल मोईन और न्यायमूर्ति प्रमोद कुमार श्रीवास्तव की बेंच ने यह आदेश अमित यादव की याचिका पर दिया। कोर्ट ने अपर मुख्य सचिव, बेसिक शिक्षा विभाग को निजी शपथ पत्र दाखिल करने का निर्देश दिया है। साथ ही, संबंधित स्कूल की मौजूदा स्थिति और परिसर की तस्वीरें भी पेश करने को कहा है। पत्रकार अमित यादव के खिलाफ गोसाईंगंज थाने में बीएनएस की धारा 223, 353 और 356 के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी। अमित यादव ने कोर्ट को बताया कि वह पत्रकार के तौर पर पूर्व माध्यमिक विद्यालय, बेगरिया मऊ, गोसाईंगंज गए थे। वहां उन्होंने देखा कि स्कूल के शौचालय खराब थे और छात्रों के लिए पीने के पानी का इंतजाम भी नहीं था। उन्होंने इस बारे में कुछ शिक्षकों के इंटरव्यू लेकर रिपोर्ट तैयार की थी। न्यायालय को सुनवाई के दौरान यह भी बताया गया कि रिपोर्टिंग के सिर्फ चार दिन बाद 24 अगस्त को अमित यादव के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई। इस पर कोर्ट ने पहली नजर में इस कार्रवाई को बदले की भावना से किया गया बताया। कोर्ट ने एफआईआर के आधार पर आगे की कार्रवाई पर रोक लगा दी है।

भाजपा की बैठक में 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर मंथन, कार्यकर्ताओं से जुटने का आह्वान

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। भाजपा कार्यालय हापुड़ पर प्रदेश महामंत्री एवं पश्चिमी उत्तर प्रदेश प्रभारी रामप्रताप चौहान का जनपद आगमन हुआ। उनके आगमन पर छिजारसी टोल टैक्स पर भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया गया। इसके बाद पार्टी कार्यालय पहुंचने पर जिला अध्यक्ष कविता माधरे ने उनका स्वागत किया। बैठक के प्रथम चरण में सभी जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों एवं विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारियों का परिचय कराया गया। इस दौरान रामप्रताप चौहान ने कार्यकर्ताओं को आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों में पूरी ताकत के साथ जुटने का आह्वान किया।

द्वितीय बैठक में पार्टी द्वारा चलाए जा रहे अभियानों तथा आगामी अभियानों की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। तृतीय बैठक में जनपद के पूर्व पदाधिकारियों के साथ संगठनात्मक विषयों पर चर्चा हुई, जबकि चतुर्थ बैठक में जनप्रतिनिधियों के साथ विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक की अध्यक्षता भाजपा जिला अध्यक्ष कविता माधरे ने की। उन्होंने सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं का आभार व्यक्त किया। क्षेत्रीय महामंत्री हरीश ठाकुर ने कहा कि कार्यकर्ता पार्टी की नींव हैं। क्षेत्रीय महामंत्री रूपेंद्र सैनी ने कहा कि भाजपा सभी वर्गों को साथ लेकर चलने वाली पार्टी है। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष प्रवीण मित्तल ने कहा कि उत्तर प्रदेश की योगी सरकार ने पूरे प्रदेश में विकास की गाथा लिखते हुए नया इतिहास बनाया है। इस अवसर पर जिला पंचायत चेयरमैन रेखा नागर, विधायक धर्मेश तोमर, विधायक हरेंद्र तेवतिया, विधायक विजयपाल आढ़ती, विभु बंसल, पुष्पा देवी,, कृष्णवीर चौधरी, सतपाल यादव, कृष्ण कर्दम, उमेश राणा, मोहन सिंह, श्यामेंद्र त्यागी, राहुल उपाध्याय, राजसुंदर तेवतिया, राजीव सिरोही, जयभगवान शर्मा, पायल गुप्ता, मनोज गौतम, पुनीत गोयल, राजेश शर्मा, हितेश मोदी, अनिरुद्ध कस्तला, सन्नी तोमर, अमित शर्मा, संगीता पुरुषोत्तम, पिंकी त्यागी, अंशुल मित्तल, अमित टांक, मनीष माहेश्वरी, तेजवीर तोमर, हेमंत त्यागी, प्रशांत त्यागी, दीपक गौड़, तरुण चौहान, योगेश राणा, शैलेंद्र राणावत सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

महिला को गुलदार ने बनाया निवाला, ग्रामीणों में दहशत का माहौल

वेलकम इंडिया/महमूद रजा

बिजनौर/नजीबाबाद। राजा रामपुर फाजिल उर्फ आल्लोपुर ब्लॉक नजीबाबाद तहसील नजीबाबाद में 40 वर्षीय युवती को गुलदार ने बनाया निवाला गांव में चर्चा थी युवती घर के पास शोच के लिए गई थी घर से कुछ कदम की दूरी पर ही गुलदार ने युवती पर हमला कर दिया और जंगल गन्ने के खेत में ले गया पीछा करते हुए कुछ ग्रामीण मौके पर पहुंचे किसी तरह गुलदार को भगाया और युवती को उसके चंगुल से निकाला तब तक युवती की मौत हो चुकी थी युवती का नाम बबीता उम्र 40 वर्ष पिता स्वर्गीय ओमप्रकाश मानसिक रूप से कमजोर थी युवती के तीन भाई के अकेली बहन थी युवती के भाई मेहनत मजदूरी कर अपना पेट पलते हैं।

घटनास्थल पर एसडीएम नजीबाबाद सीओ नजीबाबाद वन क्षेत्र अधिकारी रामकुमार ग्रामीणों में पवन कुमार सैंपल सिंह दीपक कुमार विजय सिंह शब्द सिंह राहुल शेखर नवभाहार नरेश सुरेश उदयवीर के खेत में युवती का शव मिला। युवती को गुलदार के हमले से छुड़ाने वाले कपिल जोगेंद्र सिंह देव कुमार सौरभ कुमार महावीर नटवर सिंह जगबीर सिंह सतीश सिंह रहे। एसडीम शैलेंद्र कुमार और सीओ सुनील कुमार और ब्लॉक प्रमुख तपराज सिंह देशवाल सहित किसान यूनियन अराजनैतिक के किसानों के द्वारा आपसी सहमति होने पर मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया और आगे की कार्रवाई में प्रशासन जुट गया। मौके पर वन विभाग के अधिकारी लोग मौजूद हैं। गांव में पिंजरा लगाया गया और ड्रोन कैमरा द्वारा निगरानी की गई।

हापुड़ में खाद्य विभाग की बड़ी कार्रवाई, तीन पनीर इकाइयों के पंजीकरण निलंबित, 50 किलो दूषित मिठाई नष्ट कराई

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। जिलाधिकारी के निर्देश पर खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग की टीम ने जनपद में खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता और स्वच्छता को लेकर अभियान चलाया। सहायक आयुक्त (खाद्य)-चक्रचन्द्र शेखर मिश्र के नेतृत्व में गठित सचल दल ने 8 और 10 सितंबर को विभिन्न प्रतिष्ठानों पर औचक निरीक्षण एवं छापेमारी की कार्रवाई की।कार्रवाई के दौरान ग्राम राजपुर, तहसील गढ़मुक्तेश्वर निवासी शकील अहमद पुत्र अता मोहम्मद की पनीर निर्माण इकाई तथा ग्राम टोडरपुर निवासी जहीर पुत्र जमील और जमीर पुत्र जमील की पनीर निर्माण इकाइयों का पंजीकरण अग्रिम आदेश तक निलंबित कर दिया गया। खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने तीनों पनीर निर्माण इकाइयों का निर्माण कार्य भी बंद करा दिया।इसके अलावा 8 सितंबर को ग्राम हिम्मतपुर, गढ़मुक्तेश्वर स्थित चन्द्रभान की पनीर निर्माण इकाई से पनीर का एक नमूना तथा बस स्टैंड पिलखुवा स्थित विजय पाल डेयरी एंड स्वीट्स से मिश्रित दूध का एक नमूना संग्रहित किया गया।वहीं 10 सितंबर को शिकायत के आधार पर न्यू सूरी स्वीट्स, तहसील चौपला हापुड़ पर औचक छापा मारा गया। टीम ने यहां मिल्क केक और कलाकंद के एक-एक विधिक नमूने तथा एक-एक सर्विलांस नमूना संग्रहित किया। मौके पर साफ-सफाई की व्यवस्था संतोषजनक नहीं मिलने पर खाद्य कारोबारकर्ता को तत्काल सफाई व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए गए और प्रतिष्ठान को अग्रिम आदेश तक बंद करा दिया गया। कार्रवाई के दौरान लगभग 50 किलोग्राम दूषित मिठाइयां, जिनकी अनुमानित कीमत 17,400 रुपये थी, नष्ट कराई गईं।विभाग के अनुसार सभी संग्रहित नमूनों को जांच के लिए खाद्य विश्लेषक प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।

जांच रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने बताया कि खाद्य पदार्थों में गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा। कार्रवाई करने वाली टीम में विपिन कुमार सिंह, आर.पी. गंगवार, सहरिश सादात और मोहित कुमार,

बदनौली हत्याकांड: पूर्व विधायक असलम चौधरी ने पीड़ित परिवार से की मुलाकात, नसीम बेगम की कथित हाउस अरेस्ट का मुद्दा उठाया

वेलकम इंडिया/राजेंद्र सिंह वरिष्ठ

हापुड़। बदनौली हत्याकांड के बाद गुरुवार को पूर्व विधायक एवं समाजवादी पार्टी नेता असलम चौधरी पीड़ित परिवार से मिलने गांव बदनौली पहुंचे। उन्होंने मृतक के परिजनों से मुलाकात कर उनका दुख-दर्द साझा किया और हर संभव सहयोग का भरोसा दिलाया। इस दौरान उन्होंने परिवार की स्थिति, उनकी मांगों और मामले से जुड़ी जानकारी ली तथा आर्थिक सहायता भी प्रदान की।असलम चौधरी ने कहा कि पीड़ित परिवार जिस पीड़ा से गुजर रहा है, उसे शब्दों में बयां करना मुश्किल है। ऐसे समय में जनप्रतिनिधियों और राजनीतिक दलों की जिम्मेदारी है कि वे परिवार के साथ खड़े हों और उन्हें न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास करें।उन्होंने कहा कि बदनौली हत्याकांड के पूरे घटनाक्रम से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को अवगत कराया जाएगा। परिवार की पीड़ा, उनकी मांगों और मामले से जुड़े तथ्यों को राष्ट्रीय अध्यक्ष तक पहुंचाकर पार्टी स्तर से भी हर संभव सहयोग दिलाने का प्रयास किया जाएगा। पूर्व विधायक ने अपनी पत्नी एवं जिला पंचायत सदस्य नसीम बेगम के संबंध में भी कहा कि वह बुधवार को पीड़ित परिवार से मिलने बदनौली जाने वाली थीं, लेकिन उनके अनुसार उन्हें हाउस अरेस्ट कर दिया गया। उन्होंने कहा कि नसीम बेगम निर्वाचित जनप्रतिनिधि हैं और उनका उद्देश्य केवल पीड़ित परिवार से मिलकर उनका दुख-दर्द साझा करना था। असलम चौधरी ने कहा कि यदि किसी निर्वाचित जनप्रतिनिधि को पीड़ित परिवार से मिलने से रोका जाता है तो यह गंभीर विषय है, जिसे उचित मंच पर उठाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि पीड़ित परिवार से मिलना राजनीतिक लाभ का विषय नहीं, बल्कि मानवीय संवेदना और सामाजिक जिम्मेदारी है।उन्होंने प्रशासन से पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कड़ी कार्रवाई की मांग की। साथ ही पीड़ित परिवार की सुरक्षा और आवश्यक सहायता सुनिश्चित करने की बात कही। पूर्व विधायक ने कहा कि समाजवादी पार्टी पीड़ित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि परिवार को न्याय मिलने तक उनकी आवाज उचित मंचों पर उठाई जाती रहेगी और जरूरत पड़ने पर वह स्वयं भी परिवार के साथ खड़े रहेंगे।

पूर्व सैनिक 'भूतपूर्व' नहीं, 'अभूतपूर्व' हैं: मुख्यमंत्री पुष्कर धामी

हल्द्वानी में गौरव सेनानी मिलन एवं पूर्व सैनिक सम्मान समारोह आयोजित, मुख्यमंत्री ने पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं को किया नमन

वेलकम इंडिया संवाददाता

देहरादून/हल्द्वानी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने हल्द्वानी में आयोजित 'गौरव सेनानी मिलन एवं पूर्व सैनिक सम्मान समारोह' में प्रतिभाग कर पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं और सैनिक परिवारों को सम्मानित किया। कार्यक्रम में कुमाऊं मंडल के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में पूर्व सैनिक, वीरांगनाएं और सैनिक परिवार शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने पूर्व सैनिकों और वीरांगनाओं को नमन करते हुए कहा कि देश के सैनिकों ने अपने जीवन का महत्वपूर्ण समय राष्ट्र की रक्षा और सेवा में समर्पित किया है। उन्होंने अपने वर्तमान की चिंता किए बिना देश के सुरक्षित भविष्य के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया। उन्होंने कहा कि सैनिक कभी पूर्व या भूतपूर्व नहीं होता, वह जीवनभर सैनिक रहता है। हमारे पूर्व सैनिक 'भूतपूर्व' नहीं बल्कि 'अभूतपूर्व' हैं। अपने अनुशासन, समर्पण, राष्ट्रभक्ति और अनुभव के माध्यम से वे आज भी समाज और राष्ट्र को दिशा देने का काम कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि वह स्वयं सैनिक के पुत्र हैं और इसलिए सैनिकों तथा उनके परिवारों के त्याग, अनुशासन और संघर्ष को भली-भांति समझते हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड केवल देवभूमि ही नहीं, बल्कि वीरभूमि भी है। विक्टोरिया क्रॉस विजेता दरबान सिंह नेगी और गबर सिंह नेगी से लेकर जनरल बीसी जोशी और जनरल बिपिन रावत तक प्रदेश ने देश को अनेक वीर सपूत दिए हैं। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की वीर परंपरा यहां के युवाओं को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरित करती रही है। सैनिकों और उनके परिवारों के प्रति सम्मान की भावना समाज में हमेशा कायम रहनी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश की रक्षा व्यवस्था और सैन्य क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। भारत रक्षा क्षेत्र में तेजी से आत्मनिर्भर बन रहा है। देश में स्वदेशी रक्षा उपकरणों का निर्माण बढ़ रहा है और भारत अब रक्षा उत्पादों का निर्यात भी कर रहा है। उन्होंने कहा कि नया भारत अपनी सीमाओं और राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए दृढ़ता और सामर्थ्य के साथ निर्णय लेने में सक्षम है। सैनिकों के शौर्य और देश की मजबूत रक्षा नीति के कारण भारत की सुरक्षा क्षमता लगातार मजबूत हो रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने दशकों से लंबित 'वन रैंक-वन पेंशन' की मांग को पूरा कर पूर्व सैनिकों के हित में ऐतिहासिक निर्णय लिया। केंद्र और राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों, वीरांगनाओं और उनके परिवारों के सम्मान तथा कल्याण को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही हैं। उन्होंने कहा कि सैनिकों और उनके परिवारों से जुड़े विषयों के समाधान के लिए सरकार लगातार आवश्यक कदम उठा रही है।

मुख्यमंत्री ने राज्य सरकार द्वारा सैनिकों और उनके परिवारों के लिए किए गए कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि शहीद सैनिकों के आश्रितों को दी जाने वाली अनुग्रह राशि 10 लाख रुपये से बढ़ाकर 50 लाख रुपये की गई है। इसी तरह परमवीर चक्र विजेताओं को दी जाने वाली एकमुश्त अनुदान राशि को 50 लाख रुपये से बढ़ाकर दो करोड़ रुपये किया गया है। बलिदानी सैनिक के परिवार के एक सदस्य को सरकारी सेवा में सेवायोजित करने की व्यवस्था के तहत आवेदन की समय-सीमा भी दो वर्ष से बढ़ाकर पांच वर्ष कर दी गई है। उन्होंने बताया कि राज्य के सेवारत और पूर्व सैनिकों को 25 लाख रुपये तक की अचल संपत्ति खरीदने पर स्टाम्प शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट दी जा रही है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि देहरादून के गुनियाल गांव में भव्य सैन्य धाम का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। यह सैन्य धाम उत्तराखंड के वीर सैनिकों के शौर्य, त्याग और बलिदान का प्रतीक बनेगा। साथ ही आने वाली पीढ़ियों को राष्ट्रसेवा के लिए प्रेरणा देने का काम करेगा। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार सैनिकों, पूर्व सैनिकों और उनके परिजनों से जुड़े मामलों के त्वरित समाधान के लिए प्रतिबद्ध है और उनके कल्याण के लिए आवश्यक कदम आगे भी जारी रहेंगे।

सांसद रत्न पुरस्कार से सम्मानित हुए जगदम्बिका पाल, डुमरियागंज लोकसभा के लिए गौरव का क्षण

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

सिद्धार्थनगर। डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के लोकप्रिय सांसद एवं वरिष्ठ भाजपा नेता जगदम्बिका पाल को संसद में उत्कृष्ट सक्रियता, प्रभावी जनप्रतिनिधित्व तथा जनहित के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने के लिए प्रतिष्ठित 'सांसद रत्न पुरस्कार-2026' से सम्मानित किया जायेगा। सांसद रत्न पुरस्कार के लिए उनका चयन डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र के साथ-साथ पूरे सिद्धार्थनगर जनपद के लिए गौरव का विषय है। संसदीय कार्यों में निरन्तर सक्रिय रहने वाले सांसद जगदम्बिका पाल ने अपने कार्यकाल के दौरान क्षेत्र की विकास सम्बन्धी आवश्यकताओं, सड़क, रेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, कृषि तथा बुनियादी सुविधाओं से जुड़े विषयों को संसद में प्रभावी ढंग से उठाया है। क्षेत्र की जनता से निरंतर संवाद और जनसमस्याओं के समाधान के लिए उनकी सक्रियता को भी इस उपलब्धि से जोड़ा जा रहा है। सांसद रत्न पुरस्कार-2026 के लिए उनका चयन संसद में उनके प्रदर्शन एवं सक्रिय भागीदारी की राष्ट्रीय स्तर पर मिली पहचान है। यह सम्मान उनके व्यक्तिगत संसदीय योगदान के साथ-साथ डुमरियागंज की जनता के विश्वास और आकांक्षाओं का भी सम्मान है। इस उपलब्धि पर डुमरियागंज लोकसभा क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, भाजपा कार्यकर्ताओं, सामाजिक संगठनों एवं आम नागरिकों ने सांसद जगदम्बिका पाल को हार्दिक बधाई देते हुए कहा कि यह सम्मान डुमरियागंज की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर और मजबूती प्रदान करेगा। लोकसभा डुमरियागंज की जनता ने सांसद जगदम्बिका पाल को बधाई देते हुए कहा कि उनका संसदीय अनुभव, सक्रियता और जनसेवा के प्रति समर्पण क्षेत्र के विकास के लिए निरन्तर प्रेरणा देता रहेगा।

कृषि निर्यात को बढ़ावा देने के लिए किसानों और एफपीओ को दी जानकारी

सिद्धार्थनगर (वेलकम इंडिया)। उद्यान विभाग और कृषि एवं प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण (एपीडा) के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को विकास भवन स्थित अंबेडकर सभागार में कृषि निर्यात विषयक क्षमता संवर्धन एवं जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी ने की। कार्यशाला में एपीडा के प्रतिनिधि सतेन्द्र सिंह लोधी ने औद्यानिक फसलों के प्रसंस्करण और निर्यात से जुड़े महत्वपूर्ण पहलुओं की जानकारी किसानों और एफपीओ प्रतिनिधियों को दी। किसानों एवं एफपीओ के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव भी साझा किए। जिला उद्यान अधिकारी विमल कान्त ने बताया कि कार्यशाला का उद्देश्य किसानों, एफपीओ और निर्यातकों को कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण, निर्यात की प्रक्रिया तथा इससे जुड़ी संभावनाओं की जानकारी देना है। कार्यक्रम में लीड बैंक प्रबंधक रवि सिन्हा, कृषि विज्ञान केंद्र सोहना के वैज्ञानिक शेष नारायण सिंह और प्रवेश कुमार, मंडी सचिव विजय सेन सिंह, सहायक प्रबंधक उद्योग शिवशंकर, उद्यमी मित्र तोषेंद्र मिश्र, सीएफसी प्रतिनिधि अभिषेक सिंह, एफपीओ सचिव अखिलेश त्रिपाठी, उद्यान निरीक्षक संदीप कुमार वर्मा, सहायक उद्यान निरीक्षक मारुति नंदन, कृषि विभाग के प्रतिनिधि, पीएमएफएमई योजना के डीआरपी तथा प्रगतिशील किसानों ने प्रतिभाग किया।

बिस्कोहर में भव्य शोभायात्रा के साथ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का समापन

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। नगर पंचायत बिस्कोहर में आदर्श श्रीकृष्ण जन्माष्टमी समिति, यादव संघ श्रीकृष्ण जन्मोत्सव समिति और यूथ ब्रिगेड ऑफ इंडियन कमेटी के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित सात दिवसीय श्रीकृष्ण जन्मोत्सव का बृहस्पतिवार को भव्य शोभायात्रा के साथ समापन हुआ। दोपहर करीब चार बजे गाजे-बाजे और आकर्षक धार्मिक झांकियों के साथ शोभायात्रा निकाली गई। इसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। शोभायात्रा के दौरान युवाओं और श्रद्धालुओं ने अबीर-गुलाल उड़ाकर उत्सव मनाया। भक्ति धुनों और बांके बिहारी लाल के जयकारों से पूरा कस्बा कृष्णमय हो गया। नगर के व्यापारियों और नागरिकों ने जगह-जगह झांकियों का स्वागत किया। शोभायात्रा यादव मोहल्ला से शुरू होकर बैंक रोड, बाबू पोखरा, पुराना डाकखाना, मुख्य कस्बा, चौक रोड, कसेरा मोहल्ला, पश्चिम टोला और बस स्टॉप होते हुए परशुराम तिराहा पहुंची। रात करीब 9 बजे शोभायात्रा के स्थानीय मंदिरों पर पहुंचने के बाद भगवान श्रीकृष्ण की महाआरती की गई। इसके साथ ही सात दिवसीय जन्मोत्सव का विधिवत समापन हुआ।

सुरक्षा व्यवस्था को लेकर थानाध्यक्ष त्रिलोकपुर अनूप कुमार मिश्रा और चौकी प्रभारी अमित कुमार शाही पुलिस बल के साथ तैनात रहे। महिला पुलिसकर्मियों की भी ड्यूटी लगाई गई थी। हमराही इंद्रजीत सिंह, अजय यादव, बलराम सिंह, राहुल यादव और त्रिभुवन यादव समेत पुलिसकर्मी शोभायात्रा के साथ चलते रहे। आयोजन में सुजीत कौशल, रोहित कसौधन, जय विजय गुप्ता, विक्की कौशल, राजा बाबू कौशल, श्याम सुंदर, राजेश कौशल, वैभव गुप्ता, विकास कौशल, राधेश्याम यादव, किशन रावत, राम बहाल यादव, बब्बू यादव, विनोद पासवान, सुनील पासवान, आलोक, राजकुमार, बाबूलाल, रिंकू, मंगरे, शुभम और श्याम सुंदर कौशल समेत सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर भव्य जागरण, कानपुर के बालाजी म्यूजिकल ग्रुप और दिल्ली के कलाकारों ने दी शानदार प्रस्तुति

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बिस्कोहर/सिद्धार्थनगर। बिस्कोहर कस्बे के रस्तोगी शिव मंदिर चौक रोड पर श्री कृष्ण जन्मोत्सव पर्व के अवसर पर आदर्श श्री कृष्ण जन्माष्टमी समिति द्वारा एक भव्य विशाल जागरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बुधवार रात 8 बजे शुरू हुआ यह धार्मिक कार्यक्रम बृहस्पतिवार सुबह 5 बजे तक पूरी दिव्यता के साथ चला, जिसमें भारी संख्या में श्रद्धालु रातभर डटे रहे।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व बेसिक शिक्षा मंत्री डॉ. सतीश द्विवेदी पहुंचे। उन्होंने भगवान श्री कृष्ण के दरबार में माथा टेका और क्षेत्र की सुख-समृद्धि की कामना की। जागरण में सुरों का जादू बिखेरने नोएडा से आईं गायिका अर्पणा मिश्रा, गोंडा के वैभव सक्सेना और लखनऊ के आशीष शुक्ला ने एक से बढ़कर एक भजनों की प्रस्तुति देकर पंडाल को भक्तिमय कर दिया। कानपुर से आए 'श्री बालाजी म्यूजिकल ग्रुप' के वादकों की धुनों पर श्रद्धालु रातभर झूमते रहे। दिल्ली से आए मिंटू झांकी ग्रुप के कलाकारों ने मंच पर सजीव प्रस्तुतियां दीं। जागरण के दौरान गणेश वंदना, राधा-कृष्ण, मोर नृत्य, बाहुबली हनुमान, शंकर-पार्वती, मां काली, राम दरबार और मां दुर्गा की भव्य झांकियां निकाली गईं। इनमें विशेष रूप से राधा-कृष्ण के अलौकिक प्रेम और मां काली के रौद्र रूप की झांकी को दर्शकों ने सबसे ज्यादा पसंद किया और पूरा पंडाल जयकारों से गूंज उठा। कार्यक्रम को सफल बनाने में आदर्श श्री कृष्ण जन्माष्टमी समिति के कार्यकर्ता रोहित कसौधन, सुजीत कौशल, डॉ. जय गुप्ता, विजय गुप्ता, जितेंद्र कौशल, वैभव गुप्ता, रवि कौशल, राहुल कौशल, दिलीप गुप्ता, मोहित कसौधन, नंदन गुप्ता, राजेश कौशल, राजू कौशल और अमित मोदनवाल सहित समस्त पदाधिकारियों का विशेष योगदान रहा।

गौशाला में भ्रष्टाचार का बोलबाला, भूख से तड़प रहीं गायें

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

बढ़नी/सिद्धार्थनगर। योगी सरकार गौवंश संरक्षण के लिए भले ही करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, लेकिन विकास खंड बढ़नी क्षेत्र के ग्राम पंचायत खजुरिया शर्की में स्थित गौशाले में भ्रष्टाचार चरम पर है। कागजों में सब कुछ ठीक दिखाया जा रहा है, जबकि जमीनी हकीकत में गौवंश भूख और बीमारी से तड़प रहे हैं। स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप लगाते हुए नाम न छापने की शर्त पर बताया कि गौशाला में गायों की संख्या कम है जबकि कागजों में बढ़ाकर दिखाया जाता है। भूसा, चारा, दवा और देखभाल के नाम पर आने वाले सरकारी बजट का बंदरबांट किया जा रहा है।

मिली जानकारी अनुसार बताया जाता है कि गौशाले में क्षमता से ज्यादा गायें कागजों में दर्ज हैं, जबकि मौके पर कम गायें मौजूद हैं। गायों के लिए आने वाला भूसा और चारा के नाम पर जमकर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। गौशाले की साफ-सफाई न होने से गंदगी और बदबू से बीमारियां फैल रही हैं। कई गायों की मौत भी हो चुकी है, जिसे दबा दिया जाता है।ग्रामीणों का कहना है कि इस संबंध में कई बार प्रधान और सचिव से शिकायत की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। ब्लॉक के जिम्मेदार अधिकारी भी जांच के नाम पर खानापूर्ति कर चले जाते हैं। ग्रामीणों ने जिलाधिकारी सिद्धार्थनगर और मुख्य विकास अधिकारी से खजुरिया शर्की गौशाले की निष्पक्ष जांच कराकर दोषियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

बरसाना आने वाले श्रद्धालु ध्यान दें: राधाष्टमी पर दो दिन रूट डायवर्जन

मथुरा। मथुरा में राधाष्टमी पर्व को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। 19 सितंबर को बरसाना में मनाए जाने वाले राधाष्टमी महोत्सव को लेकर जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्लोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में बैठक हुई। इसमें पर्व के दौरान उमड़ने वाली श्रद्धालुओं की भीड़, यातायात व्यवस्था, सुरक्षा और मूलभूत सुविधाओं को लेकर अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। कलेक्ट्रेट सभागार में हुई बैठक में अधिकारियों ने राधाष्टमी पर बरसाना में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए भीड़ नियंत्रण की रणनीति पर मंथन किया। प्रमुख मार्गों पर यातायात व्यवस्था को सुचारू रखने के लिए रूट डायवर्जन लागू करने का निर्णय लिया गया। बरसाना में दो दिन तक रूट डायवर्जन व्यवस्था लागू रहेगी, ताकि बाहरी वाहनों के दबाव को कम किया जा सके और श्रद्धालुओं को आवागमन में परेशानी न हो।

करोड़ों की लागत से बन रहे विकास परियोजनाओं का विधायक ने किया स्थलीय निरीक्षण

वेलकम इंडिया/असदुल्लाह सिद्दीकी

शोहरतगढ़/सिद्धार्थनगर। जिले के विधानसभा शोहरतगढ़ में चल रहे करोड़ों रुपये की लागत वाले विकास कार्यों को लेकर अपना दल (एस) के विधायक विनय वर्मा ने गुरुवार को विभिन्न परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माणाधीन कार्यों की प्रगति और गुणवत्ता का जायजा लेने के साथ ही विधानसभा क्षेत्र में प्रस्तावित परियोजनाओं के लिए आवंटित भूमि का भी निरीक्षण किया। विधायक के साथ मुख्य विकास अधिकारी समेत जिले के अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे। विधायक विनय वर्मा ने सबसे पहले चिल्हिया में निर्माणाधीन सरदार भगत सिंह की प्रतिमा स्थल का निरीक्षण किया।

उन्होंने मौके पर निर्माण कार्यों की स्थिति देखी और जहां भी कमियां दिखाई दीं, उन्हें तत्काल दुरुस्त कराने के निर्देश संबंधित विभाग के अधिकारियों और ठेकेदार को दिए। विधायक ने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और निर्धारित मानकों से किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। इसके बाद विधायक ने माधवपुर में करीब पांच करोड़ रुपये की लागत से बन रहे स्टेडियम का भी स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि यह स्टेडियम उनके प्रस्ताव और मांग पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा स्वीकृत किया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि स्टेडियम का निर्माण निर्धारित मानकों और गुणवत्ता के अनुरूप ही कराया जाए। विधायक ने कहा कि वह कुछ दिनों बाद दोबारा मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्य की प्रगति की समीक्षा करेंगे। वहीं, बढ़नी ब्लॉक के बढ़नी कस्बे में करीब बीस करोड़ रुपये की लागत से प्रस्तावित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) को लेकर भी विधायक ने जानकारी दी। उन्होंने बताया कि यह परियोजना भी उनके प्रस्ताव पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा दी गई है। विधायक ने इसके लिए मुख्यमंत्री का आभार जताते हुए कहा कि करीब एक सप्ताह के भीतर अस्पताल का भूमि पूजन कराया जाना प्रस्तावित है। इसके बाद मौके पर मौजूद पुरानी और जर्जर पीएचसी को ध्वस्त कर नए सीएचसी के निर्माण का काम जल्द शुरू कराया जाएगा। विधायक ने कहा कि नए अस्पताल के बनने से शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिलेंगी। साथ ही सीमावर्ती क्षेत्र होने के कारण इसका लाभ पड़ोसी देश नेपाल के लोगों को भी मिलेगा।

विनय वर्मा ने कहा कि शोहरतगढ़ विधानसभा क्षेत्र में कई अन्य बड़ी विकास परियोजनाओं पर भी काम चल रहा है। इनमें तहसील मुख्यालय पर रजिस्टर कार्यालय और बड़े स्तर पर बन रही मछली मंडी समेत कई परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने दावा किया कि विधानसभा क्षेत्र में कई सौ करोड़ रुपये की विकास परियोजनाएं या तो निर्माणाधीन हैं या पूरी हो चुकी हैं। विधायक ने कहा कि विकास कार्यों को लेकर वह लगातार अधिकारियों के संपर्क में हैं और स्वयं मौके पर पहुंचकर निर्माण कार्यों की गुणवत्ता की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि कुछ लोग राजनीतिक द्वेष के चलते उन्हें बदनाम करने का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन विधानसभा की जनता धरातल पर हो रहे विकास कार्यों को देख रही है। उन्होंने कहा कि समय आने पर जनता ऐसे लोगों को अपने तरीके से जवाब देगी।

नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

वेलकम इंडिया संवाददाता

संतकबीरनगर। मिशन शक्ति 5.0 अभियान के तहत महिलाओं और बालिकाओं के खिलाफ अपराधों की रोकथाम के लिए चलाए जा रहे अभियान में थाना कोतवाली खलीलाबाद पुलिस ने नाबालिग के साथ दुष्कर्म, मारपीट और जान से मारने की धमकी देने के मामले में वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार आरोपी की पहचान रियाज पुत्र इलियास, निवासी कसैला, थाना कोतवाली खलीलाबाद, संतकबीरनगर के रूप में हुई है। पुलिस ने उसे 10 सितंबर 2026 को गिरफ्तार कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद न्यायालय में पेश किया।यह कार्रवाई पुलिस अधीक्षक संदीप कुमार मीना के निर्देशन, अपर पुलिस अधीक्षक सुशील कुमार सिंह के मार्गदर्शन और क्षेत्राधिकारी खलीलाबाद प्रियम राजशेखर पाण्डेय के पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस के मुताबिक मामले में मु0अ0सं0 835/2026 के तहत भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं और पॉक्सो अधिनियम की धारा 5एल/6 में मुकदमा दर्ज किया गया था। पुलिस के अनुसार 9 सितंबर 2026 को पीड़िता की मां ने थाना कोतवाली खलीलाबाद में प्रार्थना पत्र देकर शिकायत की थी। आरोप था कि आरोपी ने उनकी नाबालिग पुत्री के साथ दुष्कर्म किया तथा उसके साथ मारपीट करते हुए जान से मारने की धमकी दी। शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू की थी। जांच और कार्रवाई के दौरान पुलिस टीम ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम में थाना प्रभारी निरीक्षक वीरेन्द्र कुमार यादव, महिला उपनिरीक्षक संगीता विश्वकर्मा और महिला कांस्टेबल मनीषा यादव शामिल रहीं।

दिशा की बैठक में विभागवार योजनाओं की पड़ताल

जर्जर तार, आयुष्मान कार्ड और जल जीवन मिशन पर दिए कड़े निर्देश

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। गांधी सभागार में गुरुवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक केंद्रीय राज्यमंत्री एवं सांसद जितिन प्रसाद की अध्यक्षता में हुई। बैठक में स्वास्थ्य, बाढ़ खंड, विद्युत, जल जीवन मिशन, वन, पशुपालन, पूर्ति, लोक निर्माण, एनएचएआई, कृषि और बेसिक शिक्षा समेत विभिन्न विभागों की योजनाओं की समीक्षा की गई।स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान आयुष्मान भारत योजना में अपेक्षित प्रगति न मिलने पर सांसद ने नाराजगी जताई। उन्होंने आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए पांच दिन के भीतर कार्ययोजना तैयार करने और जिलाधिकारी को इसकी साप्ताहिक समीक्षा करने के निर्देश दिए।बाढ़ एवं कटान से बचाव के कार्यों की समीक्षा में बाढ़ खंड के अधिशासी अभियंता ने बताया कि जिले में 11 परियोजनाएं स्वीकृत हुई थीं, जिनके कार्य पूर्ण करा दिए गए हैं। बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में पशुओं के टीकाकरण की स्थिति की भी जानकारी ली गई।विद्युत विभाग की समीक्षा में बताया गया कि जिले के 119 गांव विद्युतीकरण के लिए चिन्हित हैं। सांसद ने लंबे समय से एक ही क्षेत्र में तैनात लाइनमैनों की समीक्षा कर आवश्यकतानुसार स्थानांतरण करने के निर्देश दिए। बिजली बिल संबंधी शिकायतों का समयबद्ध निस्तारण तथा ढीले और जर्जर तारों को शीघ्र दुरुस्त कराने को भी कहा। जल जीवन मिशन के तहत जिले के 655 गांवों के आच्छादित होने की जानकारी दी गई। सांसद ने प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के पांच गांवों में योजना की जांच कराने के निर्देश दिए। उन्होंने पानी की टंकियों के उद्घाटन सहित अन्य कार्यों में निर्धारित प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करने को कहा। वन विभाग की समीक्षा में मानव-वन्यजीव संघर्ष रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए गए। बाबा इकोत्तरनाथ मंदिर तक खड़ंजा निर्माण का प्रस्ताव भेजने को भी कहा गया। निराश्रित गोवंशों को गोशालाओं में भेजने और गोशाला निर्माण के लिए समिति गठित करने के निर्देश दिए गए। धान खरीद केंद्रों की सूची जनप्रतिनिधियों को उपलब्ध कराने तथा स्कूलों में यूनिफॉर्म वितरण और स्मार्ट कक्षाओं की स्थिति की जानकारी लेने के बाद सांसद ने सभी जनप्रतिनिधियों की समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ज्ञानेन्द्र सिंह ने सभी निदेशों का शत-प्रतिशत अनुपालन कराने का भरोसा दिलाया।

हजारा में पुलिस का पैदल पहरा मुख्य मार्गों और बाजारों में गश्त, लोगों को कराया सुरक्षा का एहसास

वेलकम इंडिया संवाददाता

हजारा/पीलीभीत। पुलिस अधीक्षक पीलीभीत के निर्देशन में थाना हजारा पुलिस ने क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए पैदल गश्त कर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया। पुलिस टीम ने मुख्य मार्गों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले स्थानों पर पहुंचकर लोगों को सुरक्षा का एहसास कराया। अचानक सक्रिय हुई पुलिस गश्त से संदिग्ध गतिविधियों में लिप्त लोगों में खलबली देखी गई। थाना पुलिस की टीम ने प्रमुख बाजारों और सार्वजनिक स्थानों पर पैदल भ्रमण किया। इस दौरान पुलिस कर्मियों ने दुकानदारों, राहगीरों और स्थानीय लोगों से संवाद कर क्षेत्र की स्थिति की जानकारी ली। पुलिस ने लोगों से किसी भी संदिग्ध व्यक्ति या गतिविधि की जानकारी तत्काल पुलिस को देने की अपील की। गश्त के दौरान पुलिसकर्मियों ने यातायात व्यवस्था और सार्वजनिक स्थलों की स्थिति पर भी नजर रखी।पुलिस अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था से किसी भी कीमत पर समझौता नहीं किया जाएगा। त्योहारों, बाजारों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस की मौजूदगी बढ़ाकर असामाजिक तत्वों पर नजर रखी जा रही है। पुलिस की पैदल गश्त का उद्देश्य केवल अपराध रोकना ही नहीं, बल्कि आम लोगों के बीच सुरक्षा की भावना को मजबूत करना भी है।पुलिस टीम के बाजार और मुख्य मार्गों पर पैदल पहुंचने से स्थानीय लोगों में भी सुरक्षा को लेकर भरोसा नजर आया। व्यापारियों और राहगीरों ने पुलिस की सक्रियता को सकारात्मक कदम बताया।थाना पुलिस ने लोगों से अपील की कि अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी आपात स्थिति में तत्काल पुलिस को सूचना दें। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए नियमित रूप से पैदल गश्त जारी रहेगी।

पुण्यतिथि पर मेधावी छात्र-छात्राओं को किया सम्मानित

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। विकासखंड क्षेत्र के गांव मिमला गढ़ी में स्वर्गीय ईश्वर सिंह की पुण्यतिथि के अवसर पर मेधावी छात्र-छात्रा सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन स्वर्गीय ईश्वर सिंह के पुत्र रवि चौहान और शेखर चौहान ने किया। समारोह में हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की परीक्षा में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले गांव के मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया गया। उन्हें पुरस्कार और प्रोत्साहन राशि देकर उनका हौसला बढ़ाया गया। कार्यक्रम में कक्षा 10 के छात्र वर्ग में सार्थक चौहान ने 82 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम, अर्पित कश्यप ने 75.6 प्रतिशत अंक प्राप्त कर द्वितीय और देव उपाध्याय ने 75 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया। छात्रा वर्ग में अंतिम चौहान ने 80.6 प्रतिशत अंक के साथ प्रथम, जिया कुमारी ने 80.5 प्रतिशत अंक के साथ द्वितीय और देविका शर्मा ने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त कर तृतीय स्थान हासिल किया। कक्षा 12 के छात्र वर्ग में देव चौहान ने 79 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। छात्रा वर्ग में सना सैफी और अवनी चौहान ने 73.2-73.2 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान हासिल किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता नेत्रपाल दरोगा ने की। मुख्य अतिथि आर्य वैदिक कन्या इंटर कॉलेज किवाना की प्रधानाचार्य कमलेश चौधरी रहीं। कार्यक्रम में मंच पर अन्य गणमान्य लोग भी मौजूद रहे। अतिथियों ने सम्मानित छात्र-छात्राओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर मेहनत करने के लिए प्रेरित किया। इस दौरान बड़ी संख्या में ग्रामीण और अभिभावक मौजूद रहे।

ईओ की गैरमौजूदगी से पालिका के काम प्रभावित

कांधला। कस्बे में बंदरों के बढ़ते आतंक और नगर पालिका प्रशासन की कार्यप्रणाली को लेकर नागरिकों में रोष है। आरोप है कि पालिका की अधिशासी अधिकारी करीब एक माह से कार्यालय नहीं पहुंच रही हैं। इससे जरूरी प्रशासनिक कार्यों के साथ ही विकास और निर्माण संबंधी कार्य प्रभावित हो रहे हैं। पालिका के कर्मचारियों से जानकारी लेने पर बताया गया कि अधिशासी अधिकारी छुट्टी पर है। नागरिकों का कहना है कि कस्बे में जगह-जगह गंदगी फैली है। वहीं बंदरों का आतंक भी लगातार बढ़ रहा है। आए दिन बंदर लोगों पर हमला कर उन्हें घायल कर रहे हैं। शिकायतों के बावजूद समस्या का स्थायी समाधान नहीं हो सका है। बंदरों की शिकायत और सफाई व्यवस्था को लेकर जब नागरिक व सभासद संबंधित कर्मचारियों से संपर्क करते हैं तो फोन नहीं उठने की शिकायत भी सामने आ रही है।पालिका से जुड़े प्रमाण पत्र, सफाई व्यवस्था और निर्माण कार्य सहित आदि कार्य प्रभावित होने से लोगों को परेशानी उठानी पड़ रही है।

सेहरामऊ रेलवे स्टेशन का नाम जोगराजपुर करने की केंद्रीय राज्यमंत्री ने की पैरवी

छह माह पहले ग्रामीणों ने विधायक को सौंपा था ज्ञापन, मुख्यमंत्री को पत्र भेजकर जितिन प्रसाद ने की संस्तुति

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। सेहरामऊ रेलवे स्टेशन का नाम बदलकर जोगराजपुर रेलवे स्टेशन किए जाने की लंबे समय से चली आ रही क्षेत्रवासियों की मांग अब जोर पकड़ने लगी है। केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने ग्रामीणों की भावनाओं को देखते हुए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को पत्र भेजकर सेहरामऊ रेलवे स्टेशन का नाम जोगराजपुर किए जाने की पैरवी की है। केंद्रीय राज्यमंत्री की ओर से मुख्यमंत्री को पत्र भेजे जाने के बाद क्षेत्रवासियों में मांग पूरी होने की उम्मीद जगी है।क्षेत्र के लोगों का कहना है कि सेहरामऊ रेलवे स्टेशन का नाम जोगराजपुर किए जाने की मांग काफी समय से उठाई जा रही है। करीब छह माह पहले ग्रामीणों ने क्षेत्रीय विधायक बाबूराम पासवान को ज्ञापन सौंपकर स्टेशन का नाम बदलवाने की मांग की थी। ग्रामीणों ने बताया था कि रेलवे स्टेशन जोगराजपुर क्षेत्र में स्थित है, जबकि सेहरामऊ गांव स्टेशन से करीब छह किलोमीटर की दूरी पर है। ऐसे में स्टेशन का नाम जोगराजपुर किए जाने से क्षेत्र की भौगोलिक पहचान भी स्पष्ट होगी।ग्रामीणों के अनुसार जोगराजपुर आसपास के करीब 50 गांवों के लिए प्रमुख औद्योगिक एवं व्यापारिक केंद्र के रूप में जाना जाता है। बड़ी संख्या में ग्रामीण रोजाना रेलवे स्टेशन का आवागमन के लिए उपयोग करते हैं। उनका कहना है कि स्टेशन का नाम जोगराजपुर होने से बाहर से आने वाले यात्रियों को क्षेत्र की सही पहचान करने में भी आसानी होगी।केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में क्षेत्रवासियों की मांग और भावनाओं का उल्लेख करते हुए सेहरामऊ रेलवे स्टेशन का नाम जोगराजपुर रेलवे स्टेशन किए जाने की पैरवी की है। उन्होंने राज्य सरकार की ओर से आवश्यक प्रस्ताव तैयार कर केंद्र सरकार के गृह मंत्रालय को भेजे जाने की दिशा में कार्रवाई किए जाने का अनुरोध किया है।ग्रामीणों की ओर से दिए गए प्रार्थना पत्र में दावा किया गया है कि स्टेशन का नाम बदलने की मांग को लेकर क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों, ब्लॉक स्तरीय प्रतिनिधियों, संभ्रांत नागरिकों और विभिन्न सामाजिक संगठनों के कार्यकताओं की सहमति है। लोगों का कहना है कि लंबे समय से चली आ रही मांग पर अब केंद्रीय राज्यमंत्री की पहल से सकारात्मक कार्रवाई की उम्मीद बढ़ी है।ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री से मांग की है कि क्षेत्रवासियों की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए सेहरामऊ रेलवे स्टेशन का नाम जोगराजपुर रेलवे स्टेशन किए जाने के लिए राज्य सरकार की ओर से आवश्यक अनुमोदन और संस्तुति की कार्रवाई आगे बढ़ाई जाए।नाम परिवर्तन की प्रक्रिया में राज्य सरकार की संस्तुति के बाद केंद्र स्तर पर आवश्यक औपचारिकताएं पूरी की जानी होती हैं। ऐसे में अब क्षेत्रवासियों की निगाहें प्रदेश सरकार की अगली कार्रवाई पर टिकी हैं। केंद्रीय राज्यमंत्री की पैरवी के बाद ग्रामीणों को उम्मीद है कि वर्षों पुरानी मांग जल्द ही आगे बढ़ेगी।

आवारा कुत्ते-बंदरों का आतंक, नौ लोगों को काटकर किया घायल

वेलकम इंडिया/मोहसिन रहमानी

कांधला। नगर और क्षेत्र में आवारा कुत्ते, बंदर व अन्य जानवरों का आतंक लगातार बढ़ता जा रहा है। गुरुवार को आवारा जानवरों ने अलग-अलग स्थानों पर नौ लोगों को काटकर घायल कर दिया। घायलों ने नगर के सरकारी अस्पताल पहुंचकर उपचार कराया और एंटी रेबीज की वैक्सीन लगवाई।जानकारी के अनुसार, क्षेत्र में पिछले कई दिनों से आवारा कुत्तों और बंदरों के आतंक से लोग परेशान हैं। महिला, पुरुष और बच्चों को आए दिन आवारा जानवर अपना शिकार बना रहे हैं। स्थानीय लोगों का आरोप है कि शिकायतों के बावजूद प्रशासन की ओर से समस्या के समाधान के लिए प्रभावी कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। गुरुवार को डूंगर निवासी अजय, श्रीयान, भभीसा निवासी अभिनव, भारसी निवासी प्रियांशु, रीटा, आजाद, हमजा और असद समेत नौ लोगों को आवारा जानवरों ने काटकर घायल कर दिया। सभी घायलों ने सरकारी अस्पताल पहुंचकर उपचार कराया।

क्लेफ्ट लिप से जूझ रहे तालिब को मिला नया जीवन

स्वास्थ्य विभाग की पहल पर लखनऊ में हुई सफल सर्जरी

वेलकम इंडिया संवाददाता

पीलीभीत। राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम (आरबीएसके) बच्चों में जन्मजात एवं गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं की समय पर पहचान कर उन्हें बेहतर उपचार उपलब्ध कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। इसी क्रम में लालौरीखेड़ा ब्लॉक की आरबीएसके टीम-ए ने तीन वर्षीय तालिब की जन्मजात क्लेफ्ट लिप की समस्या की पहचान कर उसे उपचार के लिए उच्च चिकित्सा केंद्र भेजा। लखनऊ में उसकी निःशुल्क सफल सर्जरी होने के बाद उसके चेहरे पर मुस्कान लौट आई। ग्राम अबूडांडी निवासी इशहाक के तीन वर्षीय पुत्र तालिब का स्वास्थ्य परीक्षण राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम के तहत आरबीएसके टीम द्वारा किया गया था। जांच के दौरान टीम को बच्चे में क्लेफ्ट लिप की गंभीर जन्मजात समस्या दिखाई दी। टीम ने परिजनों को बीमारी के बारे में जानकारी देने के साथ ही सरकारी योजना के तहत उपलब्ध निःशुल्क उपचार की प्रक्रिया भी समझाई। इसके बाद बच्चे को बेहतर उपचार के लिए सिप्स सुपर स्पेशलिस्ट हॉस्पिटल, लखनऊ रेफर किया गया। वहां सरकारी योजना के माध्यम से तालिब की सफलतापूर्वक निःशुल्क सर्जरी कराई गई। उपचार के बाद बच्चे के परिजनों में खुशी का माहौल है। परिजनों ने स्वास्थ्य विभाग और आरबीएसके टीम का आभार जताते हुए कहा कि सरकारी स्वास्थ्य योजना के कारण उनके बच्चे को समय पर उपचार मिल सका।

आरबीएसके टीम-ए में डॉ. वी.डी. पांडेय, डॉ. इमरान अंसारी, फार्मासिस्ट लोकेश कुमार और स्टाफ नर्स सरिता कुमारी शामिल रहीं। सीएमओ डॉ. बीसी पंथ के मार्गदर्शन तथा डीईआईसी मैनेजर मोहम्मद मो. जुबैर के समन्वय से बच्चे को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई गई।स्वास्थ्य विभाग के अनुसार आरबीएसके के माध्यम से बच्चों में जन्मजात रोगों की पहचान, जांच, रेफरल और निःशुल्क उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जाती है। जन्मजात बीमारी से ग्रसित बच्चों के निःशुल्क उपचार के लिए डीईआईसी प्रबंधक मो. जुबैर के मोबाइल नंबर 7536844761 पर संपर्क किया जा सकता है।

अंडरपास में भरा पानी, रेलवे ट्रैक से गुजरने को मजबूर, किसान नेता ने किया वीडियो वायरल

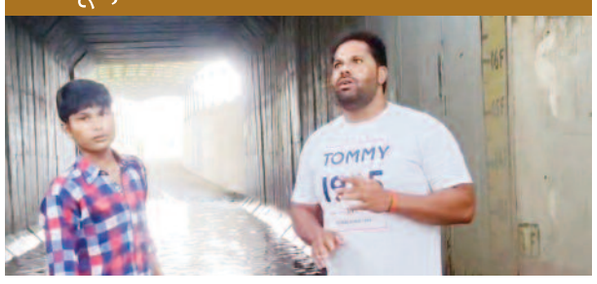

कांधला (वेलकम इंडिया)। नगर एवं क्षेत्र में करीब एक सप्ताह से बारिश नहीं हुई है, इसके बावजूद विकासखंड क्षेत्र के गांव जसाला स्थित अंडरपास में पानी भरा हुआ है। अंडरपास में पानी जमा होने के कारण ग्रामीणों और राहगीरों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को भी जान जोखिम में डालकर रेलवे ट्रैक से होकर गुजरना पड़ रहा है। गुरुवार को भारतीय किसान यूनियन के ब्लॉक अध्यक्ष विकास चौधरी ने अंडरपास में भरे पानी के बीच खड़े होकर वीडियो बनाया और उसे सोशल मीडिया पर वायरल किया। उन्होंने वीडियो के माध्यम से प्रशासन का ध्यान समस्या की ओर आकर्षित करते हुए पानी की निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की। किसान नेता ने आरोप लगाया कि अंडरपास में लंबे समय से पानी भरा हुआ है। कई बार जिला प्रशासन से शिकायत किए जाने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं कराया गया। पानी के कारण ग्रामीणों को दूसरे रास्तों से होकर आवागमन करना पड़ रहा है। छात्र-छात्राओं को भी रेलवे ट्रैक पार करके स्कूल जाने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है, जिससे कभी भी हादसा हो सकता है।

घर में घुसकर हमले के मामले में वांछित आरोपी गिरफ्तार

पुलिस ने निशानदेही पर घटना में प्रयुक्त डंडा किया बरामद, न्यायालय भेजा

वेलकम इंडिया संवाददाता

पूरनपुर/पीलीभीत। घर में घुसकर लाठी-डंडों से हमला कर युवक को गंभीर रूप से घायल करने के मामले में पूरनपुर पुलिस ने वांछित आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी की निशानदेही पर उसके घर से घटना में प्रयुक्त डंडा भी बरामद करने का दावा किया है। आरोपी के खिलाफ आवश्यक कानूनी कार्रवाई के बाद उसे न्यायालय में पेश किया गया।पुलिस के अनुसार, मोहल्ला खानका निवासी आमिर खां ने सात सितंबर को थाना पूरनपुर में तहरीर दी थी। इसमें आरोप लगाया गया था कि सद्दीक खां पुत्र वजीर खां निवासी मोहल्ला खानका, वार्ड नंबर 13, अपने अन्य साथियों के साथ एक राय होकर घर में घुस आया। आरोप है कि इस दौरान आरोपियों ने लाठी-डंडों से उसके भाई सराफत पर हमला कर दिया। सिर पर डंडे से वार किए जाने से सराफत गंभीर रूप से घायल हो गया। तहरीर मिलने के बाद पुलिस ने मामले में संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी थी। पुलिस टीम वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही थी। इसी क्रम में गुरुवार को पुलिस को मुखबिर से आरोपी सद्दीक खां के संबंध में सूचना मिली। पुलिस के मुताबिक सूचना के आधार पर टीम ने एलआईसी तिराहे के पास घेराबंदी कर आरोपी सद्दीक खां को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ के बाद पुलिस आरोपी को उसके घर लेकर पहुंची, जहां उसकी निशानदेही पर घटना में इस्तेमाल किया गया एक डंडा बरामद किया गया। पुलिस ने बरामदगी को मुकदमे की विवेचना में शामिल करते हुए आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई पूरी की और उसे न्यायालय के समक्ष पेश कर दिया। पुलिस का कहना है कि मामले में शामिल अन्य आरोपियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है और उनकी गिरफ्तारी के प्रयास जारी हैं।

जूस की दुकान के ऊपर रखे कबाड़ में लगी आग, मची अफरातफरी

कांधला। कस्बे के मयूर तिराहे के निकट गुरुवार को शॉर्ट सर्किट के चलते जूस की दुकान के ऊपर रखे कबाड़ में आग लग गई। आग लगने से आसपास के दुकानदारों में अफरातफरी मच गई। लोगों ने सूझबूझ का परिचय देते हुए पानी डालकर आग पर काबू पाया। कस्बा निवासी सन्नावर मिर्जा ने मयूर तिराहे के निकट जूस की दुकान कर रखी है।

गुरुवार को दुकान के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार में अचानक शॉर्ट सर्किट हो गया। इसके बाद दुकान के ऊपर रखे गत्ते और अन्य कबाड़ में आग लग गई। धुआं उठता देख आसपास के लोगों में अफरातफरी मच गई। दुकानदारों ने तत्काल मौके पर पहुंचकर पानी डालना शुरू किया और कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। दुकानदार के अनुसार, आग से दुकान के अंदर कोई नुकसान नहीं हुआ और न ही कोई जनहानि हुई। दुकान के ऊपर रखा गत्ता और अन्य कबाड़ जलकर राख हो गया।

महंगाई-बेरोजगारी से जनता बेहाल, 2027 में भाजपा को उखाड़ फेंकने का संकल्प

हर बूथ पर सपा की मजबूती का लक्ष्य, रामसनेही वर्मा ने गांव-गांव पहुंचकर साधा जनसंपर्क

वेवेलकम इंडिया संवाददाता

बरखेड़ा/पीलीभीत। मिशन-2027 को लेकर समाजवादी पार्टी ने ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंपर्क अभियान तेज कर दिया है। 128 विधानसभा बरखेड़ा क्षेत्र में सपा नेता एवं अखिल भारतीय प्रधान संघ के अध्यक्ष रामसनेही वर्मा ने बुगलेहाई गोटिया, पिपरिया नवदिया, भूरा सरैदा, कुत्तिया रहते, गुज्ज गोटिया समेत कई गांवों में डोर-टू-डोर जनसंपर्क किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामीणों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और समाधान के लिए हरसंभव प्रयास का भरोसा दिलाया। रामसनेही वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी का लक्ष्य विधानसभा क्षेत्र के प्रत्येक बूथ को संगठनात्मक रूप से मजबूत कर 2027 के विधानसभा चुनाव में पार्टी की जीत सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता गांव-गांव पहुंचकर जनता के बीच समाजवादी विचारधारा और पार्टी की नीतियों को पहुंचाने में जुटे हैं। जनसंपर्क के दौरान उन्होंने प्रदेश सरकार की नीतियों पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि महंगाई और बेरोजगारी ने आम परिवारों की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। किसानों को भी अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार, शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क और अन्य बुनियादी सुविधाओं से जुड़ी समस्याएं लगातार लोगों की चिंता का विषय बनी हुई हैं। उन्होंने कहा कि सरकार को जनता की जमीनी समस्याओं पर गंभीरता से ध्यान देना चाहिए। वर्मा ने कहा कि समाजवादी पार्टी हमेशा गरीब, किसान, मजदूर, नौजवान और कमजोर वर्ग की आवाज मजबूती से उठाती रही है। उन्होंने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे आपसी समन्वय के साथ बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करें और जनता के बीच लगातार सक्रिय रहें। अभियान के दौरान ग्रामीणों ने रामसनेही वर्मा का स्वागत किया। कार्यकताओं और समर्थकों में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर उत्साह दिखाई दिया। वर्मा ने कहा कि जनसंपर्क केवल चुनावी गतिविधि नहीं, बल्कि जनता के साथ लगातार संवाद स्थापित करने का माध्यम है। इस दौरान सपा के तमाम पदाधिकारी, कार्यकर्ता, समर्थक और ग्रामीण मौजूद रहे।

विजन प्लान-2055 से बदलेगी बुलंदशहर-खुर्जा की तस्वीर, औद्योगिक और आर्थिक विकास को मिलेगी एक नई रफ्तार

2055 की आबादी के हिसाब से तैयार होगा रोडमैप, ट्रेड पार्क, औद्योगिक नोड, आधुनिक बस टर्मिनल और एकीकृत टाउनशिप के प्रस्ताव

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। बुलंदशहर-खुर्जा विकास क्षेत्र को भविष्य की जरूरतों के अनुरूप विकसित करने के लिए विजन प्लान-2055 तैयार किया जा रहा है। इसके तहत क्षेत्र में औद्योगिक विकास, बेहतर कनेक्टिविटी, आधुनिक परिवहन व्यवस्था, आवासीय सुविधाओं और पर्यटन को बढ़ावा देने की व्यापक योजना बनाई जा रही है। गुरुवार को कलेक्ट्रेट सभागार में जिलाधिकारी कुमार हर्ष की अध्यक्षता में हुई बैठक में विजन प्लान के प्रस्तावों और विकास की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि विजन प्लान-2055 का उद्देश्य बुलंदशहर-खुर्जा विकास प्राधिकरण क्षेत्र के नियोजित, समग्र और सतत विकास के लिए दीर्घकालिक रोडमैप तैयार करना है। इसमें वर्ष 2055 की अनुमानित आबादी को ध्यान में रखते हुए सड़क, परिवहन, आवास, सार्वजनिक सुविधाओं और मूलभूत ढांचे की भविष्य की जरूरतों का आकलन किया जा रहा है।

विजन प्लान में ग्रेटर नोएडा, न्यू नोएडा, जेवर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर और आसपास के एक्सप्रेसवे से क्षेत्र में पैदा होने वाले विकास और आर्थिक अवसरों को भी प्रमुखता दी गई है। इन बड़े प्रोजेक्टों की कनेक्टिविटी का लाभ उठाकर क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों, निवेश और रोजगार के अवसर बढ़ाने की योजना है। योजना के तहत औद्योगिक नोड और आर्थिक क्लस्टर विकसित करने के साथ ट्रेड पार्क की स्थापना का प्रस्ताव रखा गया है। इसके अलावा सड़क नेटवर्क के उन्नयन, सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था में सुधार और आधुनिक बस टर्मिनल विकसित करने पर भी जोर दिया गया है। विजन प्लान में एकीकृत टाउनशिप, प्लेसमेकिंग, पर्यटन एवं विरासत विकास जैसे प्रस्ताव भी शामिल किए गए हैं। इसका उद्देश्य क्षेत्र में आवासीय और व्यावसायिक गतिविधियों को योजनाबद्ध तरीके से विकसित करने के साथ स्थानीय ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक स्थलों को पर्यटन से जोड़ना है। बैठक में जिलाधिकारी कुमार हर्ष ने पीपीटी के माध्यम से प्रस्तुत विजन प्लान के प्रस्तावों और समग्र विकास रणनीति की समीक्षा की। उन्होंने संबंधित विभागों को प्रस्तावों का परीक्षण कर आवश्यक कार्रवाई और क्रियान्वयन की दिशा में कदम उठाने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने कहा कि विजन प्लान-2055 का उद्देश्य बुलंदशहर-खुर्जा क्षेत्र को सुव्यवस्थित, आर्थिक रूप से मजबूत, बेहतर कनेक्टिविटी वाला और सतत विकास के अनुरूप तैयार करना है, ताकि आने वाले दशकों में बढ़ती आबादी और आर्थिक गतिविधियों की जरूरतों को पूरा किया जा सके। प्राधिकरण की उपाध्यक्ष अपराजिता सिंह सिनसिनवार ने विजन प्लान के तहत प्रस्तावित प्रक्रिया की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण आमजन को आधुनिक और बेहतर नागरिक सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास कर रहा है।

सरयू नदी में भैंस नहलाने गए नाना नाती का शव दूसरे दिन हुआ बरामद

पोस्टमार्टम हेतु भेजा गया दोनों मृतकों का शव

फतेह खान/वेलकम इंडिया

शुजागंज/अयोध्या। कोतवाली रूदौली क्षेत्र के अंतर्गत तराई क्षेत्र पसैया गांव के निकट सरयू नदी में बुधवार भैंस नहलाने गए नाना नाती की डूबकर मौत हो गई थी घटना की सूचना पर पहुंच एसडीएम रूदौली, तहसीलदार, सीओ रूदौली, कार्यवाहक प्रभारी निरीक्षक रूदौली, एवं चौकी प्रभारी शुजागंज मय पुलिस बल, एसडीआरएफ टीम गोताखोर के साथ शव को बरामद करने हेतु लगातार रेस्क्यू आपरेशन शुरू कर दिया था। लेकिन नाना नाती का शव बृहस्पतिवार को सुबह बरामद किया गया पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को कब्जे में ले पंचनामा भर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया है। बताते चलें कि कल बुधवार को सडरी पसैया निवासी जगराम कोरी अपने नाती ईदगाहन रूदौली निवासी शिवा कोरी पुत्र भाईलाल के साथ भैंस नहलाने गए नाती की डूबने पर उनको बचाने के चलते नाना भी सरयू नदी में डूब गए थे। दोनों के शव बरामद करने हेतु तहसील एवं पुलिस प्रशासन द्वारा एसडीआरएफ टीम गोताखोर की मदद से निरंतर रेस्क्यु करने के बाद घटना के दूसरे दिन बृहस्पतिवार को सुबह बरामद किया गया। पुलिस ने दोनों मृतकों के शव को कब्जे में ले पंचनामा भर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है।

चोरी की दो घटनाओं का खुलासा, तीन वांछित गिरफ्तार

चोलापुर पुलिस ने ऑटो, 7,300 रुपये नकद और घटना में प्रयुक्त रॉड बरामद की

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। चोरी की घटनाओं पर प्रभावी रोकथाम और वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना चोलापुर पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने चोरी के दो मामलों का खुलासा करते हुए तीन वांछित आरोपियों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से चोरी की रकम में से 7,300 रुपये नकद, एक ऑटो और घटना में प्रयुक्त सब्बल/रॉड बरामद की गई है। पुलिस के अनुसार 9 सितंबर 2026 को सुबह करीब 4:12 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने हनुमान मंदिर, पानी टंकी गोसाईपुर मोहाव के पास से तीनों आरोपियों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान सोनू गुप्ता (22) निवासी कांशीराम आवास योजना, थाना शिवपुर, हाल निवासी लोहिया पुराना पुल, थाना जैतपुरा; शाकिफ खान (18) निवासी पैगंबरपुर पंचकोशी, थाना सारनाथ और मनोज कुमार चौधरी (20) निवासी शैलपुत्री, कजाकपुरा, थाना जैतपुरा, वाराणसी के रूप में हुई है।

पुलिस के मुताबिक पहला मामला 30 अगस्त 2026 का है। गोसाईपुर छोटा निवासी वीरेंद्र प्रताप मिश्र ने तहरीर देकर बताया था कि चोर घर की छत के रास्ते अंदर घुसे और बक्सा तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण तथा साड़ियां चोरी कर ले गए। चोरी गए सामान की कीमत एक लाख रुपये से अधिक बताई गई थी। दूसरा मामला 8 सितंबर 2026 का है। सांई उदयपुर निवासी राकेश कुमार मिश्रा ने शिकायत दर्ज कराई थी कि चोर सीढ़ी के रास्ते घर में घुसे और 10 हजार रुपये नकद तथा चांदी की बिछिया चोरी कर ले गए। दोनों मामलों में मुकदमा दर्ज कर पुलिस आरोपियों की तलाश में जुटी थी। इसी क्रम में पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ऑटो संख्या यूपी 65 एलटी 2710, चोरी की रकम में से 7,300 रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त एक सब्बल/लोहे की रॉड बरामद की है। बरामद रॉड को पुलिस ने सील कर दिया है।

प. उत्तर प्रदेश को बड़ी सौगात, 240.40 करोड़ से होगा मेरठ आईटीआई क्लस्टर का कायाकल्प

मेरठ आईटीआई क्लस्टर के लिए रणनीतिक निवेश योजना को मंजूरी, युवाओं को रोजगार, अप्रेंटिसशिप और आधुनिक प्रशिक्षण के मिलेंगे नए अवसर

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

नई दिल्ली/वाराणसी। पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कौशल विकास और रोजगार के क्षेत्र को मजबूत करने की दिशा में केंद्र सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम सेतु) योजना के तहत मेरठ आईटीआई क्लस्टर के लिए 240.40 करोड़ रुपये की रणनीतिक निवेश योजना (एसआईपी) को मंजूरी मिल गई है। इस फैसले से मेरठ समेत गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर और बागपत के सरकारी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में आधुनिक सुविधाओं के विकास और प्रशिक्षण व्यवस्था में व्यापक बदलाव की राह खुलेगी। कौशल विकास और उद्यमशीलता मंत्रालय की सचिव देवश्री मुखर्जी की अध्यक्षता में पीएम सेतु की पांचवीं राष्ट्रीय संचालन समिति की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित हुई। बैठक में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आईटीआई तंत्र को उद्योगों की बदलती जरूरतों के अनुरूप विकसित करने और युवाओं को रोजगारपरक प्रशिक्षण उपलब्ध कराने से जुड़े प्रस्तावों पर चर्चा की गई। इसी क्रम में मेरठ आईटीआई क्लस्टर की रणनीतिक निवेश योजना को मंजूरी प्रदान की गई। प्रस्तावित क्लस्टर में मेरठ के साकेत स्थित सरकारी आईटीआई को हब बनाया गया है। इसके साथ गाजियाबाद, हापुड़, गौतम बुद्ध नगर और बागपत के सरकारी आईटीआई को स्पोक के रूप में जोड़ा गया है। हब-एंड-स्पोक मॉडल के तहत इन सभी संस्थानों को आपस में जोड़कर प्रशिक्षण, संसाधनों, तकनीकी सुविधाओं और उद्योगों के साथ समन्वय को मजबूत किया जाएगा। इस पहल के क्रियान्वयन में राष्ट्रीय कौशल विकास निगम (एनएसडीसी) की महत्वपूर्ण भूमिका होगी। योजना के माध्यम से आईटीआई में उपलब्ध मौजूदा संसाधनों को आधुनिक बनाने के साथ-साथ उद्योगों की मांग के अनुरूप प्रशिक्षण व्यवस्था विकसित की जाएगी। 240.40 करोड़ रुपये की इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य पश्चिमी उत्तर प्रदेश के आईटीआई इकोसिस्टम को आधुनिक और रोजगारपरक बनाना है। इसके तहत आईटीआई के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने, मौजूदा ट्रेड को उन्नत करने और जरूरत के अनुसार नए दीर्घकालिक तथा अल्पकालिक पाठ्यक्रम शुरू करने पर जोर दिया जाएगा। प्रशिक्षण संस्थानों में आधुनिक तकनीक और उद्योग आधारित प्रशिक्षण सुविधाएं विकसित होने से युवाओं को केवल पारंपरिक ट्रेड तक सीमित नहीं रहना पड़ेगा।

क्या है पीएम सेतु योजना

प्रधानमंत्री स्किलिंग एंड एम्प्लॉयबिलिटी ट्रांसफॉर्मेशन थ्रू अपग्रेडेड आईटीआई (पीएम सेतु) केंद्र सरकार की प्रमुख कौशल विकास योजना है। इसका उद्देश्य उद्योगों की भागीदारी, आधुनिक बुनियादी ढांचे, बेहतर प्रशिक्षण कार्यक्रम और रोजगार की संभावनाओं के माध्यम से आईटीआई व्यवस्था में व्यापक बदलाव लाना है। योजना में उद्योग आधारित और क्लस्टर मॉडल को अपनाया गया है। इसके तहत एक प्रमुख आईटीआई को हब बनाया जाता है, जबकि आसपास के अन्य आईटीआई को स्पोक के रूप में उससे जोड़ा जाता है। इससे संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल, समन्वित निवेश, संस्थानों का आधुनिकीकरण और उद्योगों से संबंधित कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने में मदद मिलती है। मेरठ आईटीआई क्लस्टर के लिए 240.40 करोड़ रुपये की मंजूरी के बाद पश्चिमी उत्तर प्रदेश में कौशल विकास के बुनियादी ढांचे को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। आने वाले समय में यह क्लस्टर क्षेत्र के युवाओं को आधुनिक प्रशिक्षण, अप्रेंटिसशिप और रोजगार से जोड़ने के एक महत्वपूर्ण केंद्र के रूप में विकसित हो सकता है।

हत्या मामले में भाइयों को गलत तरीके से फंसाने का आरोप, निष्पक्ष जांच की मांग

पुलिस अधीक्षक के न मिलने पर क्षेत्राधिकारी को सौंपा पत्रक, सीसीटीवी फुटेज के आधार पर जांच की मांग

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

जौनपुर। हत्या के एक मामले में दो भाइयों को गलत तरीके से आरोपी बनाए जाने का आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच की मांग की गई है। मामले को लेकर प्रदेश अध्यक्ष शिव कुमार गुप्ता के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस अधीक्षक को संबोधित पत्रक क्षेत्राधिकारी नगर जौनपुर गोल्डी गुप्ता को सौंपा। पुलिस अधीक्षक के मौजूद नहीं होने के कारण प्रतिनिधिमंडल ने क्षेत्राधिकारी को पत्रक देकर पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की।

पत्रक में बताया गया कि 23 मई 2026 को मेराज पुत्र कमरुद्दीन की हत्या के बाद उसका शव केराकत थाना क्षेत्र के खरसेनपुर नहर के पास बरामद हुआ था। आरोप लगाया गया कि इस मामले में फैजान के भाइयों सलमान और इरफान को गलत तरीके से फंसाकर जेल भेज दिया गया है। शिव कुमार गुप्ता ने दावा किया कि घटना के समय दोनों भाई अपने घर पर मौजूद थे। उन्होंने बताया कि उनके घर के दोनों रास्तों पर सीसीटीवी कैमरे लगे हुए हैं और प्रशासन द्वारा कैमरों की फुटेज व रिकॉर्डिंग प्राप्त भी की जा चुकी है। ऐसे में सीसीटीवी फुटेज की जांच कर घटना के समय दोनों भाइयों की मौजूदगी की वास्तविकता स्पष्ट की जा सकती है। प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस से मांग की कि सीसीटीवी फुटेज समेत उपलब्ध सभी साक्ष्यों की निष्पक्षता से जांच की जाए और घटना के वास्तविक दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की जाए। साथ ही यदि जांच में दोनों भाइयों की संलिप्तता नहीं पाई जाती है तो उन्हें न्याय दिलाया जाए। क्षेत्राधिकारी नगर जौनपुर गोल्डी गुप्ता ने प्रतिनिधिमंडल को मामले में निष्पक्ष जांच का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि उपलब्ध साक्ष्यों और जांच के आधार पर कार्रवाई की जाएगी तथा दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई होगी। पत्रक सौंपने वालों में जन्सा व्यापार मंडल अध्यक्ष शुभम सिंह, प्रदेश उपाध्यक्ष मोहन यादव, जौनपुर जिलाध्यक्ष रितेश श्रीवास्तव, वाराणसी जिला उपाध्यक्ष कमलेश सिंह, चौरा व्यापार मंडल अध्यक्ष प्रमोद नारायण गुप्ता, महामंत्री शशिकांत जायसवाल, सदस्य फैजान खान सहित बड़ी संख्या में व्यापारी मौजूद रहे।

सीएम डैशबोर्ड रैंकिंग में बुलंदशहर पुलिस का जलवा, मेरठ जोन में प्रथम और प्रदेश में नौवें स्थान पर

बुलंदशहर। अपराध नियंत्रण, जनशिकायतों के निस्तारण और शासन की प्राथमिकताओं को प्रभावी ढंग से लागू करने में बुलंदशहर पुलिस ने एक और उपलब्धि हासिल की है। मुख्यमंत्री (सीएम) डैशबोर्ड की अगस्त माह की रैंकिंग में बुलंदशहर पुलिस ने मेरठ जोन में प्रथम और पूरे प्रदेश में नौवां स्थान प्राप्त किया है। उत्तर प्रदेश शासन की ओर से सीएम डैशबोर्ड के माध्यम से सरकारी योजनाओं, विकास कार्यों और विभागीय कार्यों की रीयल-टाइम मॉनिटरिंग के साथ फील्ड अधिकारियों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाता है। डैशबोर्ड पर 53 विभागों के 588 से अधिक प्रोजेक्ट और योजनाओं की निगरानी की जा रही है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह के निर्देशन में जनपदीय पुलिस द्वारा शासन की प्राथमिकता वाली योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, नियमित मॉनिटरिंग और समयबद्ध कार्रवाई का परिणाम रैंकिंग में दिखाई दिया।

विकसित भारत क्विज में युवाओं से बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील

जनवरी 2027 में दिल्ली में प्रधानमंत्री करेंगे विजेताओं का सम्मान

वेलकम इंडिया संवाददाता

बुलंदशहर। विकसित भारत के निर्माण में युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और उनकी प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच उपलब्ध कराने के उद्देश्य से युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय, भारत सरकार के अंतर्गत मेरा युवा भारत (माय भारत) बुलंदशहर की ओर से विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग-2027 के तहत क्विज प्रतियोगिता आयोजित की जा रही है। प्रतियोगिता में जनपद और प्रदेश स्तर पर बेहतर प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। जनवरी 2027 में दिल्ली में आयोजित कार्यक्रम में विजेताओं को प्रधानमंत्री द्वारा सम्मानित किए जाने की योजना है। प्रतियोगिता को लेकर आयोजित प्रेसवार्ता में माय भारत बुलंदशहर की उपनिदेशक राशि मिश्रा ने जिले के युवाओं से अधिक से अधिक संख्या में प्रतियोगिता में भाग लेने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह क्विज युवाओं के ज्ञान, प्रतिभा और नेतृत्व क्षमता को परखने के साथ उन्हें राष्ट्रीय स्तर की युवा गतिविधियों से जुड़ने का महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करेगी। उन्होंने बताया कि क्विज में देश के विकास, समसामयिक विषयों, भारतीय ज्ञान परंपरा, नेतृत्व क्षमता और राष्ट्र निर्माण से जुड़े प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रतियोगिता में 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवा हिस्सा ले सकते हैं। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पात्र प्रतिभागियों को माय भारत पोर्टल पर ऑनलाइन पंजीकरण कराना अनिवार्य होगा। राशि मिश्रा ने बताया कि प्रतियोगिता में अधिक से अधिक युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए माय भारत की ओर से जिले में व्यापक जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है। स्वयंसेवकों के माध्यम से पात्र युवाओं तक प्रतियोगिता की जानकारी पहुंचाई जा रही है और उन्हें ऑनलाइन पंजीकरण कर प्रतियोगिता में शामिल होने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण कराने के साथ अपने मित्रों, सहपाठियों और आसपास के अन्य पात्र युवाओं को भी इसमें भाग लेने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजनों से युवाओं को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने के साथ देश के विकास और राष्ट्र निर्माण से जुड़े विषयों को समझने का अवसर मिलता है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे इस अवसर का लाभ उठाएं और विकसित भारत के निर्माण में अपनी भूमिका सुनिश्चित करें।

पहड़िया स्थित हैप्पी मॉडल स्कूल में धूमधाम से मनाया गया 'ग्लोरियस डे'

नन्हे-मुन्नों की रंगारंग प्रस्तुतियों ने मोहा मन, 100 शानदार दिन पूरे करने पर विद्यार्थियों का बढ़ाया उत्साह

वेलकम इंडिया/संतोष कुमार सिंह

वाराणसी। पहड़िया स्थित हैप्पी मॉडल स्कूल में वार्षिक 'ग्लोरियस डे' समारोह (ग्रेजुएशन सेरेमनी) का भव्य आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। समारोह में विद्यालय के नन्हे-मुन्ने विद्यार्थियों ने अपनी मनमोहक और रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों से उपस्थित अतिथियों, अभिभावकों और विद्यालय परिवार का मन मोह लिया। बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और उत्साह से विद्यालय परिसर में पूरे कार्यक्रम के दौरान उल्लासपूर्ण माहौल बना रहा। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण शैक्षणिक सत्र के 100 शानदार दिन सफलतापूर्वक पूरे करने वाले विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन रहा। इस उपलब्धि के अवसर पर बच्चों को प्रोत्साहित किया गया और उनकी मेहनत की सराहना की गई। नन्हे विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया, जिसे देखकर अभिभावक भी उत्साहित नजर आए। बच्चों की प्रस्तुतियों में उनकी रचनात्मकता, अनुशासन, आत्मविश्वास और सीखने के प्रति उत्साह की स्पष्ट झलक देखने को मिली। विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुतियों से न केवल अपनी कला का प्रदर्शन किया, बल्कि मंच पर पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा को प्रस्तुत कर सभी का ध्यान आकर्षित किया। बच्चों के शानदार प्रदर्शन पर विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के अभिभावकों ने भी बढ़-चढ़कर भागीदारी की और बच्चों का उत्साह बढ़ाया। अभिभावकों ने बच्चों की प्रस्तुतियों की सराहना करते हुए विद्यालय प्रबंधन के प्रयासों की भी प्रशंसा की। समारोह के माध्यम से विद्यार्थियों को उनकी उपलब्धियों के लिए प्रोत्साहित किया गया और उन्हें आगे भी इसी उत्साह, लगन और आत्मविश्वास के साथ शिक्षा एवं अन्य गतिविधियों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया गया। विद्यालय प्रबंधन की ओर से विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ-साथ सांस्कृतिक, रचनात्मक और अन्य सह-पाठ्यक्रम गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया गया। प्रबंधन ने कहा कि बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए शिक्षा के साथ उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारना भी आवश्यक है। ऐसे कार्यक्रम बच्चों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के साथ उन्हें अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का मंच प्रदान करते हैं। इस अवसर पर विद्यालय की निदेशिका नीता सिंह ने सभी अतिथियों, अभिभावकों, शिक्षकों और सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों की प्रतिभा और मेहनत की सराहना करते हुए कहा कि प्रत्येक उपलब्धि बच्चों के आत्मविश्वास को मजबूत करने का अवसर होती है। बच्चों को निरंतर सीखते रहने, मेहनत करने और नई ऊंचाइयों को हासिल करने के लिए आगे बढ़ते रहना चाहिए। विद्यालय की प्रधानाचार्या पल्लवी तोलानी एवं अजमल वारसी ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। उन्होंने विद्यार्थियों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि बच्चों को शिक्षा के साथ संस्कार, अनुशासन और रचनात्मकता के क्षेत्र में भी निरंतर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। समारोह के अंत में विद्यार्थियों और अभिभावकों में खासा उत्साह देखने को मिला। रंगारंग प्रस्तुतियों और बच्चों की उपलब्धियों से सजा यह आयोजन सभी के लिए यादगार बन गया। कार्यक्रम का समापन हर्षोल्लासपूर्ण वातावरण में हुआ।

हत्या में वांछित 25 हजार का इनामी गिरफ्तार, खुर्जा में युवक की उपचार के दौरान हुई थी मौत

खुर्जा (वेलकम इंडिया)। हत्या के मामले में वांछित चल रहे 25 हजार रुपये के इनामी शातिर अपराधी को स्वाट टीम और खुर्जा नगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपी को झमका फ्लाईओवर के पास सर्विस रोड से दबोचा। आरोपी की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया। पुलिस के अनुसार, सौरभ पुत्र अजयपाल सिंह निवासी गांव बगराई, थाना खुर्जा देहात ने 20 अगस्त को अपने साथियों के साथ मिलकर खुर्जा नगर क्षेत्र में अंकुर चौधरी के साथ मारपीट की थी। गंभीर रूप से घायल अंकुर की 29 अगस्त को उपचार के दौरान मौत हो गई थी। मामले में खुर्जा नगर थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के बाद आरोपी सौरभ फरार चल रहा था। उसकी गिरफ्तारी के लिए एसएसपी दिनेश कुमार सिंह ने 25 हजार रुपये का इनाम घोषित किया था। पुलिस के मुताबिक, इस मामले में पूर्व में मुठभेड़ के दौरान दो आरोपियों समेत कुल छह आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा चुका है। गिरफ्तार सौरभ के खिलाफ खुर्जा नगर और खुर्जा देहात थाने में दो मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में स्वाट प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद असलम, उपनिरीक्षक संदीप कुमार समेत स्वाट टीम और खुर्जा नगर प्रभारी निरीक्षक रामफल सिंह, उपनिरीक्षक तजेन्द्रपाल सिंह समेत पुलिसकर्मी शामिल रहे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर का पैथोलॉजी लैब हुआ उच्चीकृत

अब मरीजों को जिला अस्पताल या मेरठ मेडिकल कॉलेज नहीं जाना पड़ेगा

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर के पैथोलॉजी लैब में प्रारंभ हुई। नई जांचों का गुरुवार को विधिवत उद्घाटन क्षेत्रीय विधायक डॉ मंजू सिवाच तथा नगर पालिका परिषद मोदीनगर अध्यक्ष विनोद वैशाली के द्वारा फीता काटकर किया गया। इस मौके पर पहला ब्लड सैंपल विधायक डॉक्टर मंजू शिवाच के द्वारा तथा दूसरा ब्लड सैंपल नगर पालिका परिषद अध्यक्ष विनोद वैशाली यादव के द्वारा तथा तीसरा ब्लड सैंपल चिकित्सा अधीक्षक डॉक्टर दिनेश कुमार के द्वारा दिया गया ।

इसी के साथ-साथ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पर कंप्यूटराइज्ड पंजीकरण का भी विधिवत उद्घाटन किया गया। पहले कंप्यूटराइजड पर्चा विधायक डॉ मंजू सिवाच का बनाया गया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर के चिकित्सा, अधीक्षक तथा प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ शाखा गाजियाबाद के उपाध्यक्ष डॉ दिनेश कुमार के द्वारा बताया गया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर पर गुरुवार से सभी जांच प्रारंभ हो गई है जो आज से पहले नहीं हुआ करती थी।

इनमें से विटामिन डी, विटामिन बी-12, एचबीए 1 सीए थाइरॉएड प्रोफाइल तथा वायरल लोड मुख्य रूप से प्रारंभ की गई, जो की काफी महंगी जांच हुआ करती थी और मरीज को इसके लिए जिला अस्पताल या मेरठ मेडिकल कॉलेज जाना पड़ता था, वह सभी जांच अब सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर पर प्रारंभ हो गई हैं। इस मौके पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी गाजियाबाद डॉ सचिन चंद्र वैश्य, अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अमित विक्रम, नोडल अधिकारी उपमुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ रविंद्र कुमार चीफ फार्मासिस्ट व गीता सिंह के साथ-साथ डॉ नवीन श्रीवास्तव डॉ विक्रांत, डॉक्टर कर्ण सिंह व अन्य चिकित्सक मौजूद रहे।

विधायक डॉ मंजू शिवाच के द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र मोदीनगर का निरीक्षण करने के उपरांत चिकित्सा अधीक्षक व उपाध्यक्ष प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ शाखा गाजियाबाद डॉ दिनेश कुमार की पीठ थपथपाते हुए कहा गया कि आपके द्वारा अच्छा कार्य किया जा रहा है ।

आप उस बरकरार रखें। इस पर चिकित्सा अधीक्षक द्वारा उनका अभिवादन किया गया। इस मौके पर पूर्व जिला अध्यक्ष दिनेश सिंघल,पूर्व पालिका अध्यक्ष अशोक महेश्वरी,भाजपा के जिला उपाध्यक्ष अमित चौधरी, भाजपा नेत्री अपराजिता सिंह, अमितेज जैन, नीरज शर्मा,राकेश कुमार आदि गणमान्य लोग भी उपस्थित रहे।

गन्ना आपूर्ति करने हेतु समिति कार्यालय में सटटा प्रदर्शन मेला 14 सितंबर से 21 सितम्बर तक

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। जनपद की सहकारी गन्ना विकास समिति मोदीनगर के सदस्य गन्ना कृषको को पेराई सत्र 2026-27 में सुचारू रूप से गन्ना आपूर्ति करने हेतु समिति कार्यालय में सटटा प्रदर्शन मेला 14 सितंबर से 21 सितम्बर तक (अवकाश को छोड़कर) आहुत किया जायेगा। यह जानकारी देते हुए जिला गन्ना अधिकारी सुशील कुमार ने बताया कि कृषक भाई अपने प्री कलैण्डर का अवलोकन कर प्री कलैण्डर में अपने सटटे सम्बन्धी त्रुटियां समिति स्तरीय सटटा प्रदर्शन मेले में जाकर सही करा ले। प्री कलैण्डर/सटटा प्रदर्शन मेले में प्राप्त आपत्तियों के निस्तारण उपरान्त डाटा अन्तिम रूप से लॉक कर दिया जायेगा। जिसके पश्चात किसी भी प्रकार का संशोधन ग्राहय नहीं होगा।

समस्त गन्ना कृषकों से अनुरोध है कि समिति स्तरीय सटटा प्रदर्शन मेले का अधिकाधिक लाभ उठाये एवं आगामी पेराई सत्र में गन्ना आपूर्ति में आने वाली कठिनाई से बचे। सहकारी गन्ना विकास समिति लि० मोदीनगर के सचिव सुमित पांडेय ने सभी कृषक भाइयों से मेले का लाभ उठाने का अनुरोध किया है।

लायंस क्लब द्वारा शिक्षक दिवस पर पाँच शिक्षकों का किया सम्मान

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। शिक्षक दिवस के अवसर पर लायंस क्लब मोदीनगर राइजिंग स्टार द्वारा समाज एवं शिक्षा के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले पाँच शिक्षकों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में शिक्षा के माध्यम से पीढ़ियों का भविष्य संवारने वाले इन शिक्षकों को सम्मानित कर उनके प्रति कृतज्ञता व्यक्त की गई। समारोह में 89 वर्षीय आचार्य इन्द्रपाल तोमर को शॉल पहनाकर व प्रशस्तिपत्र देकर लायन डा. वर्षा गुप्ता, डा. मीनू अग्रवाल,लायन पूनम गर्ग, कविता गोयल ने सम्मानित किया गया, आचार्य जी ने शास्त्रीय संगीत शिक्षा के क्षेत्र में अपना जीवन समर्पित करते हुए अनेकों छात्र-छात्राओं का भविष्य संवारा है।

उनका योगदान आज भी नई पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है। टी.आर.एम. पब्लिक स्कूल की शिक्षिका श्रीमती रीता खुराना को शिक्षा के क्षेत्र में उनके 35 वर्षों के समर्पण के लिए लायन एकता अग्रवाल, लायन कल्पना गुप्ता ने चुनरी व माला पहनाकर प्रशस्तिपत्र व उपहार देकर सम्मानित किया ।

रीता खुराना ने अपने दीर्घ शिक्षण काल में निरंतर विद्यार्थियों को ज्ञान, संस्कार एवं सही दिशा प्रदान की। डॉ. गुरमीत गुप्ता,डॉ. पूजा गुप्ता,शिक्षिका सुश्री नीलू राय को शिक्षा के क्षेत्र में वर्षों से समाज के अनगिनत बच्चों के भविष्य को सँवारने और उन्हें बेहतर मार्गदर्शन देने के लिए लायन डा. राजुल अग्रवाल व लायन डा. नीतू गुप्ता द्वारा चुनरी व माला पहनाकर व प्रशस्ति पत्र व सूक्ष्म उपहार देकर सम्मानित किया गया।

लायंस क्लब मोदीनगर राइजिंग स्टार की अध्यक्ष लायन डा. वर्षा गुप्ता ने कहा कि शिक्षक केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाते, बल्कि वे समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माण करते हैं। ऐसे समर्पित शिक्षकों का सम्मान करना वास्तव में ज्ञान, संस्कार और सेवा के प्रति सम्मान व्यक्त करना है। कार्यक्रम में क्लब के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने सभी सम्मानित शिक्षकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल, स्वस्थ एवं दीर्घ जीवन की मंगलकामना की।

वैश्य समाज की बैठक में सदस्यों ने समाज हित में एकजुटता से कार्य करने का लिया संकल्प

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। वैश्य समाज मोदीनगर के अध्यक्ष बी.बी. बंसल के आवास पर गुरुवार को एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में वैश्य समाज के सदस्यों ने समाज हित में एकजुटता से कार्य करने का संकल्प लिया।

बैठक में भारतीय वैश्य महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रवि प्रकाश अग्रवाल ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। रवि प्रकाश अग्रवाल ने वैश्य समाज को एकजुट होकर एक मंच पर आने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि समाज को राजनीति में भी बढ़ चढ़ कर हिस्सा लेना चाहिए, जिससे समाज के हितों की सशक्त आवाज उठाई जा सके।

बैठक में संयोजक देवराज मित्तल, उपाध्यक्ष संजय सिंघल, कोषाध्यक्ष अश्वनी गुप्ता सहित अनिल गोयल, मुकेश गुप्ता, के.के. गुप्ता, गजेंद्र गुप्ता, अमित अग्रवाल, प्रदीप गुप्ता, रविंद्र बंसल, अभिषेक अग्रवाल, अभिषेक गोयल, अभिषेक मित्तल, मनोज संगी, दीपक अग्रवाल, सुरेंद्र गुप्ता, सर्वेश मित्तल, नवीन जायसवाल एवं रवि गोयल सहित समाज के अनेक गणमान्य सदस्यों ने भाग लिया। बैठक में सभी उपस्थित सदस्यों ने समाज हित में एकजुटता से कार्य करने का संकल्प लिया।

पूर्व पार्षद ने कैबिनेट मंत्री से की शिष्टाचार भेंट, आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर मंथन

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। पूर्व पार्षद मनोज गोयल ने गुरुवार कोनिषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री संजय निषाद से मुलाकात कर प्रदेश की राजनीति और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा की। मुलाकात के दौरान प्रदेश की वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों, चुनावी समीकरणों और आने वाले विधानसभा चुनाव की तैयारियों को लेकर विभिन्न विषयों पर बातचीत हुई। पूर्व पार्षद मनोज गोयल ने कैबिनेट मंत्री संजय निषाद के साथ हुई वार्ता में आगामी चुनाव को लेकर अपने विचार साझा किए। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार के विकास कार्यों और कानून-व्यवस्था से संतुष्ट है। उन्होंने दावा किया कि आगामी विधानसभा चुनाव में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में भाजपा गठबंधन 350 से अधिक सीटों पर जीत हासिल कर लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगा। मनोज गोयल ने कहा कि प्रदेश में विकास कार्यों को गति देने के साथ-साथ आम लोगों के लिए विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों का लाभ समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंच रहा है। ऐसे में आगामी चुनाव में जनता का समर्थन एक बार फिर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व को मिलने की उम्मीद है। मुलाकात के दौरान निषाद समाज सहित विभिन्न सामाजिक वर्गों से जुड़े विषयों पर भी चर्चा हुई। साथ ही प्रदेश में राजनीतिक गतिविधियों और आगामी चुनाव में संभावित मुद्दों को लेकर विचारों का आदान-प्रदान किया गया। संजय निषाद ने भी संगठन और राजनीतिक गतिविधियों से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। मनोज गोयल ने कहा कि आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर कार्यकताओं और समर्थकों के बीच उत्साह है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में मजबूत नेतृत्व और बेहतर कानून-व्यवस्था के कारण सरकार के प्रति लोगों का विश्वास कायम है। इसी विश्वास के आधार पर उन्होंने आगामी चुनाव में बड़ी जीत का दावा किया। इस अवसर पर जाने-माने अस्थि रोग विशेषज्ञ डॉ. अखिलेश यादव, डॉ. राजेश दुबे और क्षेत्र के प्रसिद्ध फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. इंद्रमणि उपाध्याय भी उपस्थित रहे।

अब 20 मिनट में भरेंगे सड़क के गड्ढे, ईकोफिक्स तकनीक का सुझाव

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। सड़क पर गड्ढा सूखा हो या उसमें पानी भरा हो, उसकी मरम्मत के लिए अब घंटों इंतजार नहीं करना पड़ेगा। फ्लैट ओनर फेडरेशन ने सड़क के गड्ढों की मरम्मत के लिए पीडब्ल्यूडी को ईकोफिक्स तकनीक अपनाने का सुझाव दिया है। फेडरेशन का दावा है कि इस तकनीक से करीब 20 मिनट में गड्ढे की मरम्मत पूरी की जा सकती है। खास बात यह है कि मरम्मत के दौरान यातायात भी जारी रखा जा सकता है। फेडरेशन के चेयरमैन कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी के अनुसार, एक सितंबर को पीडब्ल्यूडी के अधिशासी अभियंता राम राजा से मुलाकात कर इस तकनीक पर चर्चा की गई थी। इसके बाद पांच सितंबर को अधिशासी अभियंता ने वरिष्ठ अधिकारी को ईकोफिक्स के संबंध में निर्देश जारी करने के लिए पत्र भेजा है। फेडरेशन के अनुसार, ईकोफिक्स तकनीक में गड्ढे की सफाई या तारकोल को गर्म करने की आवश्यकता नहीं पड़ती। गड्ढे में निर्धारित सामग्री डालकर करीब 20 मिनट में पैच रिपेयर किया जा सकता है। इसके विपरीत पारंपरिक तरीके से गड्ढे की मरम्मत में पहले सफाई, फिर गिट्टी डालने, गर्म तारकोल डालने और उसे दबाने की प्रक्रिया अपनाई जाती है। इसमें भारी मशीनरी की जरूरत पड़ती है और कई घंटे तक यातायात प्रभावित हो सकता है। बताया गया कि ईकोफिक्स में स्टील उद्योग से निकलने वाले वेस्ट स्लैग को पॉलिमर बाइंडर के साथ मिलाकर इस्तेमाल किया जाता है।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन 12 सितम्बर को किया जायेगा

छूट के साथ जमा करा सकते है अपने वाहनों के चालान-पैनल अधिवक्ता संजय मुदगल

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। उत्तर प्रदेश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण लखनऊ के निदेश पर माननीय जिला जज विनोद कुमार रावत अध्यक्ष जनपद न्यायाधीश जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के नियंत्रण नेहा बनौधिया सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गाजियाबाद के आदेश पर ग्रामो व शहरों में जा-जाकर 12 सितम्बर 2026 को लगने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के लिए लोगो को जागरूक किया गया व समस्त गरीब महिलाओ, पीडित व्यक्तियों प्रत्येक भारतीय नागरिक को सस्ता व सुलभ न्याय राष्ट्रीय लोक अदालत में आकर शीघ्र, व सस्ता न्याय पाये न्यायालय शुल्क वापस पाकर आपसी भाईचारे से अंतिम निर्णय पाये।

सजय मुदगल पैनल अधिवक्ता द्वारा बताया गया कि समस्त प्रकार के शमनीय आपराधिक मामले, चैक बाउंस से सम्बंधित धारा 138 एन.आई.एक्ट. के वाद, बैंक रिकवरी वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर वाद, श्रमवाद, बिजली एंव जल के बिल से संबंधी शमनीय दण्डवाद, भूमि अत्याप्ति वाद, सेना निवृत्ति के परिलाभों संबंधी मामले, राजस्व ववाद, व अन्य सिविल वाद का निस्तारण किया जाता है। त्वरित, सस्ता, सुलभ न्याय प्रत्येक भारतीय नागरिक का नैतिक अधिकार है राष्ट्रीय लोक अदालत 12 सितम्बर 2026 दिन शनिवार को तहसील न्यायायल से लेकर माननीय सर्वोच्च न्यायालय के स्तर तक किसी भी न्यायालय अथवा विभागीय मामलों को सुलभ समझौते के आधार पर निस्तारित किये जाने हेतु आवेदन पत्र देकर अन्तिम आदेश व निर्णय प्राप्त कर सदैव के लिए लम्बित मामले से छुटकारा पाने का स्वर्णिम अवसर प्राप्त कर सकते है। प्रचार प्रसार में पैनल अधिवक्ता संगीता, पी.एल.वी. नीलम वर्मा, राहुल कुमार, जयाश्री, जयाकश्यप, सपना अधिवक्ता, उमंग किशोर, कीर्ति सिंह,सूजल, आदि उपस्थित रहे।

मुरादनगर में 11 हजार वर्ग मीटर की अवैध कॉलोनी पर चला जीडीए का बुलडोजर, नाले की जमीन भी प्लॉटिंग में मिलाने का आरोप

वेलकम इंडिया संवाददाता

गाजियाबाद। अवैध कॉलोनियों और बिना अनुमति हो रही प्लॉटिंग के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण (जीडीए) ने कार्रवाई तेज कर दी है। इसी क्रम में गुरुवार को मुरादनगर क्षेत्र में करीब 11 हजार वर्ग मीटर में विकसित की जा रही अवैध कॉलोनी को ध्वस्त कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान स्थानीय निर्माणकताओं और कॉलोनाइजरों ने विरोध किया, लेकिन प्राधिकरण पुलिस बल ने स्थिति को नियंत्रित करते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई जारी रखी। जीडीए के प्रभारी प्रवर्तन जोन-2 के नेतृत्व में अनुराग गर्ग और पंकज चौधरी की टीम ने ग्राम मोहद्दीनपुर, हिसाली-कनौजा रोड, मुरादनगर स्थित खसरा संख्या-322 पर कार्रवाई की। प्राधिकरण के अनुसार, यहां करीब 11 हजार वर्ग मीटर क्षेत्र में बिना स्वीकृति के अवैध प्लॉटिंग की जा रही थी। आरोप है कि नाले की जमीन को भी अवैध प्लॉटिंग में शामिल कर लिया गया था। निरीक्षण के दौरान मौके पर निर्माण से संबंधित कोई स्वीकृति या भू-अभिलेख प्रस्तुत नहीं किए गए। जीडीए टीम ने मौके पर चल रहे कार्य को रुकवाने के बाद अवैध निर्माण को ध्वस्त कर दिया। कार्रवाई के दौरान सहायक अभियंता, अवर अभियंता, प्रवर्तन जोन-2 का स्टाफ, प्राधिकरण पुलिस बल और प्रवर्तन दस्ता मौजूद रहा।

जेवर एयरपोर्ट पर रूसी सैन्य विमान की एंट्री, पुतिन के दौरे से पहले बढ़ी हलचल

कपिल चौहान

गौतम बुद्ध नगर(वेलकम इंडिया)। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के संभावित भारत दौरे से पहले नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट, जेवर पर रूसी मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट क्छ-76 के पहुंचने से हलचल तेज हो गई है। बताया जा रहा है कि विमान में रूस की एडवांस टीम के सदस्य सवार थे, जो संभावित दौरे से जुड़ी तैयारियों का जायजा लेने के लिए भारत पहुंची है।

विमान के जेवर एयरपोर्ट पर उतरने को लेकर सुरक्षा और प्रशासनिक स्तर पर भी चर्चा तेज हो गई है। इसे एयरपोर्ट पर पहली संभावित विदेशी सैन्य विमान लैंडिंग के तौर पर भी देखा जा रहा है। हालांकि, विमान के आगमन और इसमें सवार टीम के उद्देश्य को लेकर आधिकारिक स्तर पर विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है।

रूसी सैन्य विमान की मौजूदगी ने नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट की सुरक्षा व्यवस्था और तैयारियों को लेकर भी लोगों का ध्यान आकर्षित किया है।

निस्वार्थ भाव से सिर्फ समाज के लिए समर्पित दशमेश खालसा संस्था

जरूरतमंद की सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है,बुजुर्ग माता जी को मिला नया जीवन - विकास भसीन

अनिल वशिष्ठ

मोदीनगर(वेलकम इंडिया)। दशमेश खालसा समिति सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष विकास भसीन ने बताया कि दशमेश खालसा समिति सेवा संस्थान को अपनी पहली सेवा मिली एक मां के रूप में जिसका एक बेटा जो खुद एक बड़ी बीमारी से रिकवर्ड है। मां की नाक के अंदर गंभीर संक्रमण फैल गया जिसके कारण बुजुर्ग माता जी के नाक और गले में कीड़े भी पड़ गए थे । माता जी स्थिति सच में बहुत ही ज्यादा गंभीर थी। संस्था के उपाध्यक्ष आशीष भूटानी (राजा भाई) द्वारा बताया कि बेटा अपनी मां की जिंदगी बचाने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा था । उसने शहर में कई जगह, कई परिवारों से और कई जानकारों से मदद की गुहार लगाई, लेकिन सभी जगह से निराशा ही प्राप्त हुई । आर्थिक स्थिति बेहद कमजोर होने के कारण मां का इलाज आगे नहीं बढ़ पा रहा था। आखिरकार उसकी उम्मीद दशमेश खालसा समिति सेवा संस्थान, मोदीनगर तक पहुंची और संस्था एक बार फिर जरूरतमंद के लिए एक सहारा बनकर सामने आई।

इसके बाद संस्थान द्वारा इसे एक मुहिम की तरह लिया गया जिसमें संस्था ने हर परिवार से मदद की गुहार लगाई और लोगों ने भी माता जी के इलाज की सेवा के लिए हाथ बढ़ाया। अस्पताल में चिकित्सकों की देखरेख में बुजुर्ग माता जी का ऑपरेशन कराया गया। इसके बाद चिकित्सकों की निगरानी में उनका लगातार उपचार चलता रहा तथा लगभग 11 दिन माता जी हॉस्पिटल में भर्ती रही । संस्था तथा सहयोगी सेवाभावी परिवारों के प्रयासों से लगभग 11दिन बाद बुजुर्ग माता जी की हालत में सुधार हुआ और उन्हें अस्पताल से डिस्चार्ज कराकर सकुशल घर पहुंचाया गया। मां के घर लौटते ही परिवार के चेहरे पर खुशी लौटी क्योंकि कुछ दिन पहले जिस परिवार के सामने मां के इलाज को लेकर चिंता और बेबसी थी, वही परिवार उस समय भावुक हो उठा जब माता जी स्वस्थ होकर अपने घर वापस लौटीं। महिला और उनके परिवार ने दशमेश खालसा परिवार के प्रति हृदय से आभार व्यक्त किया। परिवार ने कहा कि मुश्किल समय में संस्था ने जिस तरह उनका साथ दिया, उसे वे जीवन भर नहीं भूल पाएंगे। माता जी भाव से दशमेश परिवार की सेवाओं का आभार व्यक्त किया।

राजकीय बालिका इंटर कॉलेज को मिली डिजिटल उड़ान, 20 कंप्यूटरों का शुभारंभ

बेटियों के सपनों को तकनीक के पंख, विधायक ने किया कंप्यूटर लैब का शुभारंभ

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। राजकीय बालिका इंटर कॉलेज, विजय नगर में छात्राओं को आधुनिक तकनीकी शिक्षा से जोड़ने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की गई। फ्रीमांच फाउंडेशन एनजीओ मैगमिट की ओर से विद्यालय में 20 कंप्यूटर स्थापित किए गए, जिनका शुभारंभ शहर विधायक संजीव शर्मा ने किया।

इस अवसर पर विधायक ने कहा कि वर्तमान दौर में कंप्यूटर शिक्षा विद्यार्थियों के लिए बेहद आवश्यक है।

तकनीक के ज्ञान से छात्राओं को शिक्षा, प्रतियोगी परीक्षाओं और रोजगार के क्षेत्र में आगे बढ़ने के बेहतर अवसर मिलेंगे। उन्होंने संस्था की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि विद्यालय में कंप्यूटर सुविधा उपलब्ध होने से छात्राओं को डिजिटल शिक्षा का लाभ मिलेगा।

विद्यालय प्रबंधन ने बताया कि कंप्यूटर स्थापित होने से छात्राओं को व्यावहारिक प्रशिक्षण देने में सुविधा होगी।

इस पहल से विद्यालय में डिजिटल शिक्षण व्यवस्था को और मजबूती मिलने की उम्मीद है।

खोड़ा चौकी के बाहर मचा हड़कंप, युवक ने खुद को आग लगाने का किया प्रयास

विवाद के बाद खौफनाक कदम, ज्वलनशील पदार्थ डालकर खुद को जलाने लगा व्यक्ति

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना खोड़ा क्षेत्र के नेहरू गार्डन चौकी के अंतर्गत रहने वाले दो पक्षों के बीच बुधवार रात विवाद हुआ था। दोनों पक्षों ने पुलिस को अपने-अपने प्रार्थना पत्र दिए थे। गुरुवार को दोनों पक्ष इसी मामले को लेकर चौकी पहुंचे, जहां दोबारा विवाद की स्थिति उत्पन्न हो गई। इसी दौरान एक पक्ष का व्यक्ति चौकी से बाहर निकलकर अपने ऊपर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आग लगाने का प्रयास करने लगा। पुलिसकर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए स्थानीय लोगों की मदद से आग बुझाई और उसे तत्काल उपचार के लिए अस्पताल भेजा। चिकित्सकों ने उसकी स्थिति सुरक्षित और खतरे से बाहर बताई है।

पुलिस के अनुसार, मामले से जुड़े सभी तथ्यों की गहनता से जांच की जा रही है। फिलहाल घटनास्थल पर शांति व्यवस्था कायम है।

पुलिस पर फायरिंग करना पड़ा भारी, दो शातिर चोर पैर में गोली लगने से दबोचे

ताले तोड़कर चोरी करने वाले दो नकबजन मुठभेड़ में दबोचे, पैर में लगी गोली

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। थाना अंकुर विहार पुलिस ने मुठभेड़ के दौरान घरों के ताले तोड़कर नकदी और जेवर चोरी करने वाले दो शातिर आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों के पैर में गोली लगी। घायल आरोपियों को उपचार के लिए स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

पुलिस के मुताबिक, 9 सितंबर को रामलीला मैदान-गढ़ी कटैया मार्ग पर चेकिंग के दौरान पैशन प्रो बाइक सवार दो संदिग्धों को रोकने का प्रयास किया गया। आरोपियों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में आकिब निवासी लिसाड़ी गेट, मेरठ और ध्यान सिंह निवासी भरतना, मैनपुरी घायल हो गए।

तलाशी में चोरी के 4,700 रुपये, ज्वैलरी, दो तमंचे .315 बोर, दो जिंदा कारतूस, दो खोखा कारतूस और चोरी में प्रयुक्त उपकरण बरामद हुए। पूछताछ में दोनों ने 7 सितंबर की चोरी में शामिल होना स्वीकार किया। पुलिस के अनुसार, दो अन्य साथी भी प्रकाश में आए हैं, जिनकी तलाश जारी है। मामले में विधिक कार्रवाई की जा रही है।

स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर के लिए गाजियाबाद में जमीन की तलाश तेज

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। केंद्र सरकार की ओर से प्रस्तावित स्पोर्ट्स एक्सीलेंस सेंटर की स्थापना के लिए गाजियाबाद में जमीन की तलाश तेज कर दी गई है। सेंटर के लिए करीब पांच एकड़ ग्राम समाज की जमीन की आवश्यकता है। इसी को लेकर यूपीसीडा और संबंधित विभागों की टीम ने मोदीनगर क्षेत्र में संभावित जमीन का निरीक्षण किया, लेकिन निर्धारित मानकों के अनुरूप भूमि नहीं मिल सकी। इसके बाद अब जिले में अन्य संभावित स्थानों पर मंथन शुरू कर दिया गया है। प्रस्तावित सेंटर के लिए जमीन के साथ वहां तक पहुंचने के लिए कम से कम 20 मीटर चौड़ा मार्ग होना भी अनिवार्य रखा गया है। सेंटर में खेल उपकरणों की गुणवत्ता और निर्धारित मानकों की जांच के साथ खिलाड़ियों के उपयोग में आने वाले स्पोर्ट्सवियर और जूतों की भी परीक्षण सुविधा विकसित करने की योजना है। कॉमनवेल्थ गेम्स-2030 और ओलिंपिक-2034 की तैयारियों के बीच देश में खेल उत्पादों की गुणवत्ता जांच को मजबूत करने की दिशा में यह पहल महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

'सेवा संकल्प' से विकसित भारत का संकल्प होगा मजबूत, प्रशासन ने तैयार किया कार्यक्रम

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। दुर्गावती देवी सभागार, विकास भवन में जिलाधिकारी रविन्द्र कुमार मॉदड़ की अध्यक्षता में 'सेवा संकल्प अभियान' की क्रियान्वयन बैठक हुई। बताया गया कि 17 सितंबर से 17 अक्टूबर तक चलने वाले अभियान का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के सेवा काल की जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाना और नागरिकों को विकसित भारत-2047 के संकल्प से जोड़ना है।

अभियान के तहत 17 सितंबर को रक्तदान व दिव्यांगजन शिविर तथा शाम सात बजे विभिन्न स्थानों पर दीप प्रज्ज्वलन होगा।

स्कूलों में चित्रकला, भाषण व वाद-विवाद प्रतियोगिताएं, नुक्कड़ नाटक और सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होंगे। आंगनवाड़ी केंद्रों पर तीन दिवसीय उत्सव, सात दिवसीय बहुउद्देशीय सेवा शिविर और स्वच्छता संबंधी कार्यक्रम भी होंगे। इसके अलावा 'सेवा ज्योति कलश यात्रा', 'वडनगर से वाराणसी यात्रा' और 'सुशासन सेवा संवाद' जैसे कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बैठक में सीडीओ कुमार सौरभ समेत विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर ट्रक में घुसी तेज रफ्तार कार, दो युवकों की मौत

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। हादसा इतना भीषण था कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना में कार सवार दो युवकों की मौत हो गई, जबकि तीसरा युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार में फंसे युवकों को बाहर निकालकर अस्पताल पहुंचाया। दोनों मृतकों के शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिए गए हैं। पुलिस के मुताबिक, टाटा जेस्ट कार में तीन युवक सवार थे। बुधवार देर रात करीब ढाई बजे वे दिल्ली-मेरठ एक्सप्रेसवे से गुजर रहे थे। इसी दौरान तेज रफ्तार कार आगे चल रहे ट्रक में जा घुसी। टक्कर इतनी जोरदार थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई और उसमें सवार तीनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए।

मिलेट्स की उन्नत तकनीक का प्रशिक्षण लेने पंतनगर रवाना हुआ कृषि विभाग का दल

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। कृषि प्रसार के 10 कर्मचारी एवं अधिकारियों का पांच दिवसीय एक्सपोजर विजिट दल गुरुवार को गोविंद बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, पंतनगर के लिए रवाना हुआ। मुख्य विकास अधिकारी कुमार सौरभ ने हरी झंडी दिखाकर प्रशिक्षण दल की बस को रवाना किया। यह दल 10 से 14 सितंबर तक मिलेट्स यानी श्री अन्न की उन्नत खेती, उत्पादन तकनीक, प्रसंस्करण, मूल्य संवर्धन और पोषण संबंधी पहलुओं का प्रशिक्षण प्राप्त करेगा।

उप कृषि निदेशक आशीष कुमार सिंह ने बताया कि श्री अन्न को जलवायु अनुकूल, कम लागत वाली और पोषण की दृष्टि से महत्वपूर्ण फसल के रूप में बढ़ावा दिया जा रहा है। विश्वविद्यालय के कृषि वैज्ञानिक एवं विशेषज्ञ प्रशिक्षणार्थियों को तकनीकी जानकारी देने के साथ विभिन्न गतिविधियों का ऑनसाइट भ्रमण भी कराएंगे।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि प्रशिक्षण के बाद प्रतिभागी मास्टर ट्रेनर के रूप में जनपद के किसानों को श्री अन्न की वैज्ञानिक खेती की जानकारी दें। इससे उत्पादन एवं उत्पादकता बढ़ाने के साथ किसानों की आय में वृद्धि में मदद मिलेगी। इस अवसर पर जिला कृषि अधिकारी अमित कुमार और विषय वस्तु विशेषज्ञ बिजेंद्र तोमर मौजूद रहे।

जनशिकायतों पर गंभीर पुलिस प्रशासन, एसीपी ने अधिकारियों को सौंपे निर्देश

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मुख्यालय एवं अपराध केशव कुमार चौधरी ने अपने कार्यालय में शिकायत लेकर पहुंचे फरियादियों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जानकारी प्राप्त की और मामलों के शीघ्र समाधान के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस आयुक्त ने कहा कि फरियादियों की शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण, निष्पक्ष एवं समयबद्ध तरीके से किया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शिकायतों में किसी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और पीड़ितों को नियमानुसार प्रभावी राहत उपलब्ध कराई जाए। साथ ही शिकायतों की प्रगति पर निगरानी रखते हुए निर्धारित समयसीमा में कार्रवाई सुनिश्चित करने को कहा।

पुराने वाहनों पर परिवहन विभाग की बड़ी कार्रवाई, 120 वाहन चिन्हित

कपिल चौहान

गाजियाबाद(वेलकम इंडिया)। एनजीटी के निर्देशों के अनुपालन में परिवहन विभाग ने 10 वर्ष पुराने डीजल और 15 वर्ष पुराने पेट्रोल वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। सहायक संभागीय परिवहन अधिकारी (प्रवर्तन) अंकिता शुक्ला ने बताया कि 10 सितंबर को अभियान के दौरान आयु सीमा पूरी कर चुके 120 वाहनों को चिन्हित किया गया।

इन वाहनों के अनधिकृत संचालन पर रोक लगाने के लिए नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई की गई। चिन्हित वाहनों को पंजीकृत वाहन स्क्रैपिंग सुविधा केंद्र के माध्यम से स्क्रैप कराने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। विभाग का उद्देश्य पुराने वाहनों से होने वाले वायु प्रदूषण पर प्रभावी नियंत्रण और पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित करना है।

अंकिता शुक्ला ने वाहन स्वामियों से अपील की कि आयु सीमा पूरी कर चुके वाहनों का संचालन न करें तथा शासन एवं एनजीटी के निदेर्शों का पालन करते हुए नियमानुसार आवश्यक प्रक्रिया पूरी कराएं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐसे वाहनों के खिलाफ अभियान आगे भी लगातार जारी रहेगा।

अवॉर्ड की समय-सीमा खत्म, खतौनियों में नाम बहाली तक नहीं हटेंगे कनावनी के किसान

कपिल चौहान

कनावनी(वेलकम इंडिया)। गांव कनावनी में किसानों का अपनी मांगों को लेकर चल रहा धरना गुरुवार को लगातार 28वें दिन भी जारी रहा। चार सप्ताह से किसान शांतिपूर्ण ढंग से धरने पर डटे हुए हैं। किसानों का कहना है कि निर्धारित समय-सीमा समाप्त होने के बावजूद अवॉर्ड नहीं बनाया गया। ऐसे में अब उनकी मांग है कि राजस्व अभिलेखों और खतौनियों में किसानों के नाम पुनः बहाल किए जाएं। किसानों के अनुसार, सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित समय-सीमा समाप्त हो चुकी है। उनका दावा है कि तय अवधि में अवॉर्ड नहीं बनने की स्थिति में प्राधिकरण के अधिकार समाप्त हो चुके हैं। किसानों ने कहा कि जब तक राजस्व रिकॉर्ड में उनके नाम दर्ज नहीं किए जाते, तब तक आंदोलन जारी रहेगा। धरना स्थल पर आसपास के गांवों से भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे और किसानों के आंदोलन को समर्थन दिया। प्रताप सिंह (बागपत), सतवीर सिंह (दौसा) समेत अन्य ग्रामीणों ने किसानों के साथ एकजुटता जताई। धरने पर मथन सिंह नागर, श्रीचंद नागर, राजेंद्र सिंह नागर, रणवीर बैसला, धनेश्वर शर्मा, करण सिंह नागर, गजेंद्र सिंह नागर, दीपचंद नागर, विनोद नागर, सतीश नागर, परवीन नागर और अशोक कसाना समेत अनेक किसान मौजूद रहे।